संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
11 दिसंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 168
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

राज्य में प्रगति समीक्षा विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा- मुख्यमंत्री

पेज-8

जापान और दक्षिण कोरिया का दौरा प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में नया मील का पत्थर साबित होगा : मुख्यमंत्री

पंजाब को सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया गया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया के दौरे के दौरान निवेशकों का मिला भरपूर उत्साह प्रदेश की औद्योगिक प्रगति में नया मील का पत्थर साबित होगा और इससे पंजाब को सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभारने में और तेज़ी आएगी।

जापान और दक्षिण कोरिया के दौरों के अपने अनुभव साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पंजाब को दुनिया भर में उभरते हुए औद्योगिक केंद्र के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि इस दौरे का उद्देश्य प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करना और औद्योगिक विकास को गति देकर युवाओं के लिए रोज़गार के अधिक अवसर पैदा करना है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह ऐतिहासिक दौरा औद्योगिक विकास को तेज़ रफ्तार देने और उसे आवश्यक बल प्रदान करने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बैठक के दौरान जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर ओगावा काजूनोरी ने पंजाब के औद्योगिक और स्वच्छ ऊर्जा प्रोजेक्टों की संभावनाओं की खोज में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि वे जापानी कंपनियों के माध्यम से संभावित वित्तीय अवसरों पर तकनीकी विचार-विमर्श जारी रखने के लिए सहमत हुए हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बैंक ने पंजाब निवेश सम्मेलन के निमंत्रण का भी स्वागत किया है और इसमें भाग लेने की इच्छा जताई।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आइसन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड के सी.ई.ओ. और ई.वी.पी. टोमोनोरी काई तथा टोरू नकाने ने भविष्य के निर्माण या अनुसंधान एवं विकास अवसरों के लिए पंजाब की संभावनाओं में सकारात्मक रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि यामाहा मोटर कंपनी लिमिटेड के ग्लोबल स्ट्रैटेजी मैनेजर और प्रोडक्ट प्लानिंग ग्रुप तनाका हिरोकी तथा सुजुकी मारी ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, अनुसंधान एवं विकास सहयोग और कौशल विकास पहलकदमियों में निवेश पर खुलकर चर्चा की। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने प्रोग्रेसिव पंजाब निवेश सम्मेलन 2026 के निमंत्रण का भी स्वागत किया और पंजाब के निवेश-अनुकूल माहौल से जुड़े रहने में रुचि दिखाई।

- दोनों देशों की अपनी यात्रा के हर दिन के आधार पर रिपोर्ट पेश की गई
- आने वाला निवेशक सम्मेलन इन देशों की तकनीक के साथ प्रदेश की प्रतिभा के एकीकरण के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड के साथ बैठक में डिपार्टमेंट मैनेजर तत्सुओ नाकामुरा और आई.टी.ओ. कियोशी ने पंजाब में भारतीय साझेदारों के माध्यम से कंपोनेंट निर्माण की संभावनाएं तलाशने की बात कही। भगवंत सिंह मान ने कंपनी को पूर्ण सुविधा और नीतिगत सहायता का भरोसा दिया तथा उन्हें पंजाब निवेश सम्मेलन 2026 के लिए निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के दक्षिण एशिया विभाग के डायरेक्टर जनरल यामादा तत्सुओ ने तकनीकी सहयोग और क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों, विशेष रूप से फसली विविधता में पंजाब की विकास पहलकदमियों का समर्थन करने में रुचि की पुष्टि की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेआईसीए के साथ विचार-विमर्श शहरी बुनियादी ढांचे, जल प्रबंधन और कौशल विकास में संभावित सहयोग पर केंद्रित था। उन्होंने कहा कि जेआईसीए ने गहन भागीदारी और प्रोजेक्ट साझेदारी की खोज करने की इच्छा जताई। भगवंत सिंह मान ने कहा कि टोरे इंडस्ट्रीज के सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट हाजीमे इशी ने पंजाब के ऑटो और एयरोस्पेस सेक्टरों के लिए तकनीकी तथा टेक्सटाइल क्षेत्र में रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसदीय उप-मंत्री (अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग) कोमोरी ताकुओ ने जापानी फर्मों को इन्वेस्ट पंजाब से जोड़ने के लिए समन्वय बनाए रखने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि फुजित्सु लिमिटेड के टेक्नोलॉजी बिज़नेस मैनेजमेंट यूनिट के प्रमुख जूंगो ओकाई ने डिजिटल गवर्नेंस सॉल्यूशंस में रुचि दिखाई और भरोसा दिया कि वे भारत में भविष्य के प्रोजेक्टों के लिए मोहाली का चयन करेंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी जापान यात्रा के दूसरे दिन की शुरुआत एनईसी कॉर्पोरेशन के साथ बैठक से हुई। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल कोऑपरेशन ट्रेड डिपार्टमेंट के डायरेक्टर मकोटो नोडा और मैनेजर मिहो हारा ने पंजाब की डिजिटल पहलकदमियों और औद्योगिक ऑटोमेशन अवसरों में रुचि दिखाई तथा कंपनी सहयोग के लिए पंजाब के आई.टी. इको-सिस्टम का मूल्यांकन करने पर सहमत हुई।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाद में दिन में 250 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें जापानी उद्योग एवं व्यापारिक संस्थाओं के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल थे, ने टोक्यो रोड शो में भाग लिया। उन्होंने कहा कि डी.जी. जेट्रो इंडिया सुजुकी ताकाशी की मजबूत संस्थागत भागीदारी भारत-जापान आर्थिक संबंधों के लिए उच्च स्तरीय समर्थन को दर्शाती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प (सुमितोमो और किरियू कॉर्पोरेशन), वर्धमान स्पेशल स्टील्स (आइची स्टील) और एक्सेल स्काउट द्वारा साझा किए गए अनुभवों ने पंजाब में सफल साझेदारियों की मिसाल पेश की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुमितोमो कॉर्पोरेशन और किरियू कॉर्पोरेशन के साथ मुलाकात में कंपनी के प्रतिनिधियों शोही योशिदा, योशितो मियाज़ाकी, टोमो टोज़ावा, हिरोकी यासुकावा और किताररू शिमिज़ु ने पंजाब में हीरो मोटोकॉर्प के साथ अपने मौजूदा सहयोग के माध्यम से सकारात्मक अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि वे भविष्य के प्रोजेक्टों के लिए पंजाब के औद्योगिक क्लस्टरों का मूल्यांकन करने, तकनीकी पहलकदमियों के लिए मोहाली पर विचार करने और पंजाब के साथ गहरे संबंधों का भरोसा देने पर सहमत हुए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि टोपन होल्डिंग्स के साथ बैठक में कंपनी के प्रतिनिधियों सतोशी ओइया (प्रधान) और मासाहिको ताकेवाकी (प्रबंध निदेशक) ने औपचारिक रूप से 300-400 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश के साथ अपनी पंजाब स्थित कंपनी का विस्तार करने में रुचि दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टोपन और इन्वेस्ट पंजाब के बीच उद्योग की ज़रूरतों के अनुसार 'स्किलिंग एक्सीलेंस सेंटर' विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों और स्थानीय साझेदारों के साथ बैठक में लंबे समय की साझेदारी बनाने के लिए प्रवासी भारतीयों से रिश्तों को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि निर्माण, तकनीक और सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रवासी भारतीयों के नेतृत्व वाले निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ज़ोर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे दिन आईची स्टील के मुख्यालय में बैठक हुई जिसमें चेयरमैन फुजियोका ताकाहिरो और प्रेसिडेंट इतो तोशिओ ने सम्मेलन के निमंत्रण का स्वागत करते हुए मज़बूत रिश्तों और व्यापक निवेश में रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आईची स्टील और वर्धमान स्पेशल स्टील्स ने पंजाब में निवेश गतिविधियों का संयुक्त रूप से अध्ययन करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 500 करोड़ रुपए के निवेश का मूल्यांकन शामिल है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि समझौते में आईची की ओर से तकनीकी सहयोग और वर्धमान की ओर से जमीन पर यूनिट की स्थापना व मंज़ूरियां शामिल हैं तथा राज्य सरकार ने पंजाब में मौजूदा जापानी कंपनियों को पूरा समर्थन और प्राथमिकता वाले विकास का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यानमार होल्डिंग्स कंपनी लिमिटेड के साथ बैठक के दौरान सी.ओ.ओ. तेत्सुआ यामोटो, प्रेसिडेंट केमल शोशी और सी.एम.डी. वरुण खन्ना ने सोनालिका के साथ साझेदारी और क्लास प्लांट अधिग्रहण का हवाला देते हुए पंजाब में सकारात्मक अनुभव का विशेष रूप से वर्णन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कृषि-तकनीक और सहायक क्षेत्रों में विस्तार के लिए प्रगतिशील योजनाएं भी साझा कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यानमार की भावी पहलों के लिए पूरा समर्थन और सुविधा का भरोसा दिया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे पंजाब में अनुसंधान एवं विकास स्थापना सहित गहरे संबंधों की खोज के लिए भी सहमत हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान दौरे के अंतिम दिन वे ओसाका में एयर वाटर इंक के प्रतिनिधियों से मिले थे, इस दौरान भारत एवं एशिया डिवीजन के प्रमुख केन शिमिज़ु और नाओकी ओई ने बायो-मीथेन और विशेष गैसों में अवसरों को स्वीकार करते हुए पंजाब के स्वच्छ ऊर्जा एवं औद्योगिक क्लस्टर में रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि वे सतत ऊर्जा और जल शोधन समाधानों सहित भविष्य के प्रोजेक्टों के लिए पंजाब में संभावनाएं तलाशने पर भी सहमत हुए। इसी तरह भगवंत सिंह मान ने कहा कि ओसाका चैंबर ऑफ कॉमर्स के साथ बैठक के दौरान प्रेसिडेंट यूची सेत्सुओ, डायरेक्टर ताकायोशी यानेगोरो, मैनेजर इंटरनेशनल डिवीजन केंटारो नागाओ ने पंजाब प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और भारत-जापान व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने में गहरी रुचि व्यक्त की।

मोटी-मोटी बातें

एक महीने में सर्वाधिक सौर कृषि पंप स्थापित कर महाराष्ट्र ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने मात्र 30 दिनों में 45,911 ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंपों की सफल स्थापना कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस ऐतिहासिक पहल को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।यह उपलब्धि महाराष्ट्र को भारत का सबसे तेज़ी से सौर कृषि प्रणालियाँ लागू करने वाला राज्य बनाती है तथा एक ही प्रशासनिक क्षेत्र द्वारा सौर पंप स्थापना के पैमाने और गति के मामले में विश्व स्तर पर चीन के बाद दूसरा स्थान दिलाती है।यह सफलता भारत में स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने, किसानों की आजीविका को सशक्त बनाने तथा पीएम -केयूएसयूएम (घटक–बी) एवं 'मागेल त्याला सौर कृषी पंप योजना' (एमटीएसकेपीवाई) के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से टिकाऊ सिंचाई को बढ़ावा देने के प्रति महावितरण (एमएसईडीसीएल) की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और उनके परिवर्तनकारी पीएम-कुसुम पहल के तहत, महाराष्ट्र ने स्वच्छ और किसान-केंद्रित सिंचाई की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। एक महीने में, हमने राज्य भर में 45,911 से अधिक सौर पंप स्थापित किए हैं, जिससे महाराष्ट्र सौर कृषि के क्षेत्र में भारत का नंबर 1 राज्य बन गया है। यह उपलब्धि सिंचाई सुरक्षा सुनिश्चित करती है, उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाती है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करती है। राज्य सरकार इस गति को और बढ़ाने तथा महाराष्ट्र के हर किसान के लिए एक अनुकूल, टिकाऊ और समृद्ध भविष्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रभु श्रीराम के आदर्श हमेशा ऐसे ही हमारा मार्गदर्शन करते रहें: मोदी

नयी दिल्ली – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीपावली को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए प्रभु श्रीराम से लोगों का मार्गदर्शन करने की कामना की है।

श्री मोदी ने बुधवार को इस फैसले पर खुशी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'देश और दुनिया के लोगों में गजब का उत्साह है। दीपावली हमारी संस्कृति और मूल्यों के बेहद करीब है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची का हिस्सा बनने के बाद दीपावली को दुनियाभर में और अधिक लोकप्रियता मिलेगी। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रभु श्रीराम के आदर्श हमेशा ऐसे ही हमारा मार्गदर्शन करते रहें।'

उल्लेखनीय है कि यहां स्थित लाल किला में हुयी संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की बैठक में बुधवार को इस पर्व को संस्था की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची' में शामिल करने का फैसला लिया है।

दिल्ली-मुंबई में इंडिगो की बड़ी कटौती; 220 फ्लाइट कैंसिल, यात्रियों में हड़कंप

मुंबई: इंडिगो ने बुधवार को दिल्ली और मुंबई सहित तीन प्रमुख हवाई अड्डों पर लगभग 220 उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने दावा किया था कि एयरलाइन का परिचालन फिर से पटरी पर आ गया है।

सूत्रों के अनुसार, संकटग्रस्त एयरलाइन ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 137 उड़ानें और मुंबई हवाई अड्डे पर 21 उड़ाने रद्द कर दीं। सूत्रों के अनुसार, इंडिगो ने बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 61 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें 35 आगमन और 26 प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। एल्बर्स ने मंगलवार को दावा किया था कि एयरलाइन ''फिर से पटरी पर आ गई है'' और इसका संचालन 'स्थिर' है, जबकि सरकार ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत या प्रतिदिन स्वीकृत लगभग 2,200 उड़ानों में से लगभग 220 उड़ानों की कटौती की है।

इंडिगो ने अकेले मंगलवार को छह महानगरों से 460 उड़ानें रद्द कर दी थीं। एल्बर्स ने यह भी कहा कि लाखों ग्राहकों को उनके टिकट का पूरा शुल्क लौटाया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने कोई विशिष्ट संख्या नहीं बताई, लेकिन उन लोगों को मुआवजे के मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी जिनकी उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं, जिनकी उड़ानों में बहुत देरी हुई या जिनकी सहमति के बिना उड़ानें पुनर्निर्धारित की गईं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के यात्री चार्टर के मुताबिक, अगर कोई विमानन कंपनी प्रस्थान से कम से कम दो हफ्ते पहले यात्री को उसकी उड़ान रद्द होने की सूचना देने में विफल रहती है, तो मुआवजा देना कानूनी रूप से अनिवार्य है और इसकी राशि उड़ान की अवधि पर निर्भर करती है। सुरक्षा नियमों को लेकर सख्त योजना बनाने में विफल रहने के बाद इंडिगो ने देशभर में हजारों उड़ानें रद्द कर दी हैं जिससे यात्रियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, अन्य घरेलू विमानन कंपनियों के किराए में वृद्धि हो रही है और पूरे भारत के हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मची हुई है।

नवजोत कौर सिद्धू ने रंधावा के लीगल नोटिस पर की टिप्पणी, जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

चंडीगढ़: पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रही उठापटक एक बार फिर तेज हो गई है। नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी व पूर्व विधायक नवजोत कौर सिद्धू ने कांग्रेस सांसद व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा से मिले लीगल नोटिस का कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि वह अपने सभी बयानों पर अडिग हैं और यदि रंधावा नोटिस वापस नहीं लेते तो वह स्वयं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगी।

कौर ने अपने बयान में कहा कि उनकी टिप्पणियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत आती हैं और वह विभिन्न मीडिया रिपोर्टों पर आधारित हैं।

मंगलवार को कांग्रेस सांसद और राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने कौर को लीगल नोटिस भेजा था। इसमें कहा गया कि 7 और 8 दिसंबर को कौर ने उन पर भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप लगाए खासतौर पर "पार्टी टिकट पैसे लेकर बांटे जाने" का आरोप।

नोटिस में दावा किया गया कि कौर ने "बिना किसी साक्ष्य के" ये बयान दिए, जिससे रंधावा की छवि धूमिल हुई। उन्होंने इसे भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 356 के तहत मानहानि बताया और सात दिनों के भीतर सार्वजनिक माफी की मांग की है। माफी उसी मीडिया प्लेटफॉर्म पर देने के लिए कहा गया, जहां कौर के बयान प्रकाशित हुए थे।

अमेरिका ने जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किये

वाशिंगटन- अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की है कि जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किए गए हैं, जो आव्रजन और सीमा सुरक्षा पर ट्रम्प प्रशासन के रुख एवं रवैये को रेखांकित करता है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "जनवरी से अब तक 85,000 वीज़ा रद्द किए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रूबियो एक साधारण जनादेश का पालन कर रहे हैं और वे इस प्रक्रिया को जल्द रोकने वाले नहीं हैं।' इस पोस्ट के साथ ही 'मेक अमेरिका सेफ़ अगेन' नारे वाले पोस्टर लगाये गये।

विदेश विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, रद्द किए गए 85,000 वीज़ा सभी श्रेणियों के हैं। ये पिछले साल रद्द किये गए वीज़ा की संख्या से दोगुने से भी अधिक हैं। केबल न्यूज नेटवर्क (सीएनएन) की रिपोर्ट के अनुसार, इस आँकड़े में 8,000 से अधिक छात्र वीज़ा शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाना, हमला और चोरी जैसे अपराध पिछले साल वीज़ा रद्द होने के मामलों में 'लगभग आधे के लिए ज़िम्मेदार थे।'

वीज़ा रद्द होने की इस वृद्धि ने 'प्रथम संशोधन' को लेकर भी चिंताएं बढ़ाई हैं। माना जा रहा है कि गाजा युद्ध के विरोध में प्रदर्शनों में शामिल अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर यह संशोधन किया गया है। प्रशासन ने कुछ प्रदर्शनकारियों पर यहूदी विरोधी होने और आतंकवाद का समर्थन करने का आरोप लगाया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश विभाग ने अक्टूबर में उन व्यक्तियों के वीज़ा रद्द करने की बात कही थी जिन्होंने कथित तौर पर 'चार्ली किर्क की हत्या का जश्न मनाया' था।

ट्रम्प प्रशासन ने वैध अमेरिकी वीज़ा रखने वाले 'सभी 5.5 करोड़ से अधिक विदेशियों' पर 'निरंतर जाँच लागू की है।

एक अधिकारी ने कहा था, "विदेश विभाग किसी भी समय वीज़ा रद्द कर देता है जब संभावित अयोग्यता के संकेत मिलते हैं।

चुनाव आयोग पर आरोप लगाकर लोकतंत्र को धूमिल कर रहा विपक्ष : शाह

नयी दिल्ली- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और मतदाता सूची पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए कहा कि इससे दुनिया में भारत के लोकतंत्र को धूमिल करने का काम किया जा रहा है।

श्री शाह ने चुनाव सुधारों पर दो दिनों तक हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि दो दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी. लोगों के बीच इस तरह का संदेश देने की कोशिश की गई कि हम चर्चा नहीं करना चाह रहे हैं। हम भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लोग चर्चा से कभी नहीं भागे। चर्चा के लिए हमने न कहा, इसके पीछे भी कारण थे। विपक्ष एसआईआर की डिटेल में समीक्षा की मांग कर रहा है, जो संभव नहीं है क्योंकि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। हम चुनाव नहीं करवाते हैं। इस पर चर्चा होगी तो जवाब कौन देगा? जब ये चुनाव सुधार पर चर्चा के लिए तैयार हुए, हमने दो दिन चर्चा की।

श्री शाह ने कहा कि चर्चा तय हुई चुनाव सुधार पर लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने एसआईआर पर ही बोला। जवाब तो मुझे देना पड़ेगा। मैंने पहले के भी सभी एसआईआर का गहन अध्ययन किया है और कांग्रेस

की ओर से फैलाए गए झूठ का अपने तर्कों के हिसाब से जवाब देना चाहता हूं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। श्री शाह ने कहा कि विपक्ष एसआईआर का मुद्दा छेड़कर बहस को भटकाना चाहता था, जबकि सरकार व्यापक चुनावी सुधारों पर सार्थक चर्चा चाहती थी।

उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है, यह व्यवस्था जब बनी, तब हम थे ही नहीं। अनुच्छेद 324 में चुनाव आयुक्त को विशेष अधिकार दिए गए। अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता तय की गई है। एसआईआर का अधिकार चुनाव आयोग को अनुच्छेद 327 में है। एसआईआर चुनाव को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। चुनाव जिस आधार पर होते हैं, वह वोटर लिस्ट ही अशुद्ध है, तो चुनाव कैसे पवित्र हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि सीएम-पीएम कौन हो।

गृह मंत्री ने कहा कि हम भी विपक्ष में बैठे हैं। हम जीत से ज्यादा हारे हैं। कई चुनाव हम हारे हैं। हमने चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग पर कभी आरोप नहीं लगाए। एक नया पैटर्न खड़ा किया गया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए, श्री स्टालिन ने लगाए, श्री राहुल गांधी ने लगाए, अखिलेश यादव ने लगाए, हेमंत सोरेन ने लगाए, भगवंत मान ने लगाए। पहले ऐसी परंपरा सिर्फ कांग्रेस में थी लेकिन कड़ी ऐसी जुड़ी की यह आरोप अब इंडी गठबंधन के लोग भी लगाने लगे।

उन्होंने कहा कि विपक्ष पूरे चुनाव आयोग की छवि को पूरी दुनिया में धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको लग रहा है कि आप सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं, आप देश की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के नाम पर देशवासियों को गुमराह किया जा रहा है।

हरियाणा मुख्यमंत्री ने भारी बारिश से हुए फसल नुकसान की भरपाई के लिए 53,821 किसानों को 116 करोड़ रुपये मुआवजा राशि की जारी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए अगस्त–सितंबर माह में हुई भारी बारिश से हुए फसली नुकसान की भरपाई के लिए 53,821 किसानों को कुल 116 करोड़ 15 लाख रुपये की मुआवजा राशि जारी की। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को सिविल सचिवालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज जारी की गई मुआवजा राशि में बाजरे की फसल के लिए 35 करोड़ 29 लाख रुपये, कपास के लिए 27 करोड़ 43 लाख रुपये, धान के लिए 22 करोड़ 91 लाख रुपये और गवार के लिए 14 करोड़ 10 लाख रुपये की राशि शामिल है। इस राशि का भुगतान तुरंत प्रभाव से शुरू कर दिया गया है तथा अगले एक सप्ताह में पूरी राशि लाभार्थी किसानों के खातों में चली जाएगी।

उन्होंने कहा कि गत अगस्त-सितंबर मास में हरियाणा में भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी। उन्होंने स्वयं बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा

लिया था और किसानों को बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए गत 15 सितम्बर तक ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया था और किसानों से आह्वान किया था कि वे फसल खराबे की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के 3 जिलों में अधिक नुकसान हुआ था। इनमें चरखी दादरी के किसानों को सर्वाधिक 23 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। जिला हिसार को 17 करोड़ 82 लाख और भिवानी को 12 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि दी गई है। इससे पहले भी सरकार ने बाढ़ के चलते पशु धन की हानि, मकान क्षति तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं के नुकसान की भरपाई के लिए 4 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ सीजन-2025 की फसलों को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 5 लाख 29 हजार 199 किसानों ने 31 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। सत्यापन के बाद 53 हजार 821 किसानों का 1 लाख 20 हजार 380 एकड़ कृषि क्षेत्र क्षतिग्रस्त पाया गया।

सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ खड़ी

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और यदि किसान का कोई नुकसान होता है तो सरकार उसकी भरपाई करती है। इसी सोच के साथ सरकार ने प्रदेश में फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 15 हजार 448 करोड़ रुपये की राशि दी है।

कांग्रेस किसानों के साथ करती थी भद्दा मजाक, मुआवजे के नाम पर किसानों को देते थे 2- 5 रुपए के चैक

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ कैसा भद्दा मजाक करती थी ये लोग अच्छे से जानते हैं। कांग्रेस के समय तो पटवारी धरातल पर ठीक से सत्यापन भी नहीं करते थे जिसके कारण किसानों को पूरा मुआवजा नहीं मिलता था। जिन किसानों को मुआवजा दिया भी जाता था उनको भी 2- 2 रुपए और 5- 5 रुपए के चैक दिए जाते थे। कांग्रेस सरकार के 10 साल के शासनकाल में 1 हजार 138 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की गई थी।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार तो किसानों के मुआवजा के 269 करोड़ रुपये की राशि भी नहीं दे पाई। वर्ष 2014 में जब प्रदेश के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को जनसेवा का मौका दिया उसके बाद वर्ष 2015 में राज्य सरकार ने कांग्रेस सरकार का पुराना पैसा 269 करोड़ रुपए किसानों के खातों में पहुंचाया।

खरीफ सीजन-2025 में फसलों के नुकसान के सत्यापन के काम में लापरवाही बरतने वाले 6 पटवारियों को निलंबित किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीफ सीजन-2025 में फसलों के नुकसान के सत्यापन के काम में लापरवाही बरतने वाले 6 पटवारियों को निलंबित किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट एजेंडा है कि सरकार हर नागरिक के प्रति जवाबदेह है और आगे भी यदि कोई अपने काम में कोताही या गलती करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मैराथन, स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही शारीरिक फिटनेस तथा नशा-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देगा: जफर इकबाल

- धर्मशाला मैराथन को बनाया जाएगा धर्मशाला का स्थायी कैलेंडर इवेंट, हर वर्ष 25 दिसम्बर को होगा आयोजन

धर्मशाला । नगर निगम धर्मशाला एवं जिला प्रशासन धर्मशाला द्वारा बिगफुट एडवेंचर इंडिया के सहयोग से धर्मशाला मैराथन-2025 का आयोजन आगामी 25 दिसम्बर को भव्य पैमाने पर किया जा रहा है। इस बारे आज नगर निगम के समृद्धि भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को समबोधित करते हुए नगर निगम धर्मशाला के आयुक्त जफर इकबाल ने कहा कि यह मैराथन कांगड़ा वैली कार्निवाल-2025 के समापन कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिमाचल सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान को सशक्त बनाना है। प्रेस वार्ता में महापौर नीनू शर्मा एवं उपमहापौर तजिंदर कौर भी उपस्थित रहीं। इसके अलावा नगर निगम धर्मशाला के समस्त पार्षद एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आयुक्त जफर इकबाल ने बताया कि यह आयोजन न केवल स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा देगा, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता, शारीरिक फिटनेस, सामुदायिक भागीदारी, नशा-मुक्त जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि मैराथन की शुरुआत साई एथलेटिक मैदान, धर्मशाला से होगी और यह मार्ग चरान दाड़ी- रक्कड़- खनियारा-कोतवाली बाजार-चीलगाड़ी से होकर पुनः साई स्टेडियम में समाप्त होगी। इस इवेंट में 3 किलोमीटर फन रन, 5 किलोमीटर रन, 10 किलोमीटर रन, हाफ मैराथन (21.1 किमी), फुल मैराथन (42.2 किमी) की श्रेणियां होंगी। प्रतिभागियों को इवेंट टी-शर्ट, फिनिशर मेडल, हाइड्रेशन सुविधा, मेडिकल सपोर्ट तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँगी। उन्होंने कहा कि स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के लिए विशेष छूट दी जायेगी। युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु छात्रों के लिए विशेष शुल्क छूट प्रदान की जा रही हैकृ, 3 व 5 किमी वर्ग में 100 प्रतिशत शुल्क छूट, 10 किमी व इससे अधिक वर्ग में 50 प्रतिशत शुल्क छूट प्रदान की जायेगी।

उन्होंने बताया कि मैराथन में कुल 15 लाख की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। आयुक्त जफर इकबाल कहा कि धर्मशाला मैराथन-2025 केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि यह स्वास्थ्य, सामुदायिक एकता को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। हम सभी के सहयोग से यह आयोजन न केवल यादगार बल्कि सार्थक भी बनेगा। उन्होंने कहा कि धर्मशाला मैराथन को नगर का स्थायी कैलेंडर इवेंट बनाया जाएगा और यह आयोजन हर वर्ष 25 दिसम्बर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैराथन में पुलिस विभाग, भारतीय सेना, सामाजिक संगठन, शिक्षण संस्थान व स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्मशाला को फिटनेस और खेल भावना का प्रतीक बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयासों से धर्मशाला को स्पोर्ट्स टूरिज्म के मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मैराथन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आधिकारिक वेबसाइट https://konfhub-com/dharamshala&marathon&2025 पर किया जा सकता है और अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 97179 22257 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

डॉ. वाई.एस. परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय का 14वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न

राज्यपाल ने मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए

शिमला। राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल ने आज सोलन जिले के नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (वाईएसपीयूएचएफ) के 14वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने कुल 12 स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें से 9 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिले। राज्यपाल ने 518 मेधावी प्रमाण पत्र तथा औद्यानिकी व वानिकी के 855 डिग्री वितरित कीं। डिग्री धारकों तथा उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव नहीं है, बल्कि किसानों, समाज और राष्ट्र के प्रति नई जिम्मेदारी का बोध भी कराता है। उन्होंने ड्रैगन फ्रूट, एवोकाडो, ब्लूबेरी, मैकाडामिया नट, कॉफी आदि उच्च मूल्य फसलों के प्रोत्साहन तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर रसायनिक निर्भरता कम करने के लिए विश्वविद्यालय की पहल की सराहना की।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शोध कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने 334 शोध प्रकाशन, 10 पेटेंट तथा 11 राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय समझौता ज्ञापन प्राप्त किए हैं। औषधीय पौधों, जैव-नियंत्रण तथा अन्य वैज्ञानिक क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और विशेषकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं की उपलब्धियों की उन्होंने सराहना की। अपने राज्यव्यापी नशा विरोधी अभियान का उल्लेख करते हुए श्री शुक्ल ने युवाओं से नशा मुक्त हिमाचल के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने नशे के खिलाफ सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा राज्य में आयोजित जागरूकता गतिविधियों की सराहना की, जिनमें हजारों विद्यार्थी, किसान और आम नागरिक जुड़े। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से वह इस अभियान को घर-घर पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

राज्यपाल ने स्नातकों से आह्वान किया कि वे नैतिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ भविष्य की राह चुनें तथा नवाचार, उद्यमिता और किसानों की आर्थिक उन्नति में योगदान दें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य हित को हमेशा प्राथमिकता में रखना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक चयन बोर्ड, भारत सरकार के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने कहा कि यह दिवस सीखने, अनुसंधान, क्षेत्रीय अनुभव और सेवा-भाव का उत्सव है। उन्होंने कहा कि जिस विश्वविद्यालय का नाम डॉ. यशवंत सिंह परमार के नाम पर है, उसके विद्यार्थी आत्मनिर्भरता, ईमानदारी और युवा-प्रधान प्रगति की उनकी विरासत के स्वामी हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में उद्यानिकी और संबद्ध गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विश्वविद्यालय की विस्तृत कृषि विस्तार सेवाओं की प्रशंसा की।

डॉ. संजय ने कहा कि नई पीढ़ी औद्यानिकी, फुलोत्पादन, एग्रोफोरेस्ट्री, बायोफ्यूल, न्यूट्रास्यूटिकल्स और बायोप्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में वैल्यू-ऐडेड उत्पादों के माध्यम से देश का भविष्य गढ़ेगी। उन्होंने छात्रों से एमआईडीएच, एनएचएम, बायोई3 जैसी राष्ट्रीय पहलों में योगदान देने का आग्रह किया। कुलपति डॉ. राजेश्वर चंदेल ने राज्यपाल का स्वागत किया और वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में विश्वविद्यालय कृषि विश्वविद्यालय श्रेणी में 20वाँ, विश्वविद्यालय श्रेणी में 101-150 तथा ओवरऑल 151-200 स्थान पर रहा। आईआईआरएफ रैंकिंग में विश्वविद्यालय को कृषि एवं उद्यानिकी श्रेणी में 11वाँ स्थान मिला। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय और कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 3,766 गतिविधियों के माध्यम से लगभग 89,344 किसानों व हितधारकों को लाभान्वित किया गया तथा 494 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 17,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशन सामग्री का विमोचन भी किया। कुलसचिव श्री सिद्धार्थ आचार्य ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर, दून के विधायक श्री विनोद सुल्तानपुरी, सचिव उद्यान विभाग श्री सी. पॉलरसू, राज्यपाल के सचिव श्री सी.पी. वर्मा, कृषि निदेशक, उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह, सीनेट एवं प्रबंध मंडल के सदस्यों सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, अध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक आवश्यक

सोलन में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए कार्यशाला आयोजित

सोलन। आज यहां केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय, हिमाचल प्रदेश सरकार एवं उद्योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों में आधुनिक तकनीक विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के विशेषज्ञों द्वारा स्मार्ट सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयों को स्मार्ट एम.एस.एम.ई. योजना के अंतर्गत उपलब्ध डिजिटल परिवर्तन, क्षमता निर्माण, क्लस्टर विकास, ग्रीन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पहल और विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया कि आधुनिक तकनीक एवं उपलब्ध प्रोत्साहन के माध्यम से उत्पादनक एवं लाभ कैसे बढ़ाया जा सकता है। कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि आधुनिक पहल के माध्यम से उद्योगों की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता, गुणवत्ता, और दीर्घकालिक स्थिरता में कैसे वृद्धि की जा

सकती है।ज़िला उद्योग केन्द्र सोलन के महाप्रबंधक सुरेन्द्र ठाकुर ने इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के उत्थान के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सुखप्रीत सिंह ने डिजिटल परिवर्तन पर एक विस्तृत एवं तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया। इस सत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा बड़े उद्योगों के लिए उद्योग 4.0 समाधान, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टूल्स, डाटा आधारित निर्णय प्रणाली, सरल एवं अपनाने योग्य डिजिटल रणनीतियों की जानकारी प्रदान की गई। सी.ई.एल. स्मार्ट एम.एस.एम.ई. टीम ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं पूरे उद्योग क्षेत्र को सशक्त, तकनीकी रूप से उन्नत, और भविष्य के स्मार्ट उद्योग मॉडल से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। टीम ने उद्योग विभाग सोलन तथा सभी सहयोगी संस्थानों का सफल आयोजन में सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। ज़िला उद्योग केन्द्र सोलन की वरिष्ठ प्रबंधन सुनीता शर्मा, सुनील कौशिक, सुखप्रीत सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं सोलन क्षेत्र के 20 से अधिक उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों सहित बड़े उद्योगों के प्रतिनिधि कार्यशाला में उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री प्रभात चंद ने शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खु से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी।

विधायक किशोरी लाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वॉटरशेड महोत्सव संपन्न

- बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र में निर्मित 12 वॉटरशेड परियोजनाओं का किया लोकार्पण
- प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को दिया जा रहा विशेष प्रोत्साहन: किशोरी लाल

बैजनाथ । उपमंडल बैजनाथ की ग्राम पंचायत महालपट्ट में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत जिला स्तरीय वॉटरशेड महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक किशोरी लाल ने की। इस दौरान विधायक ने 12 वाटरशेड परियोजनाओं का लोकार्पण किया तथा चकोल गांव से डरकू नाला तक प्रस्तावित कूल्ह निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

उन्होंने उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की आवश्यकता है और इस प्रकार की परियोजनाएं जल-संरक्षण एवं मिट्टी संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने गांववासियों से इन परियोजनाओं के रखरखाव में सक्रिय सहयोग की अपील की। विधायक किशोरी लाल ने कहा कि बैजनाथ क्षेत्र में प्राकृतिक जल-स्त्रोतों की बहुतता होने के बावजूद लगातार बदलते मौसम, वर्षा में कमी और बढ़ते भू-जल दोहन के कारण कई जगह जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में वाटरशेड जैसी परियोजनाएं न सिर्फ जल-संरक्षण को गति देती हैं बल्कि किसानों की आय में वृद्धि, पशुधन को शुद्ध जल उपलब्ध करवाने तथा ग्रामीण जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

विधायक ने वाटरशेड परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से खेती योग्य भूमि का संरक्षण होगा, मिट्टी कटाव रुकेगा, भूमिगत जल रिचार्ज बढ़ेगा और गांवों में जल संकट काफी हद तक कम होगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि इन परियोजनाओं को केवल सरकारी योजना न समझें बल्कि अपनी संपत्ति मानकर इनके रखरखाव और सफल संचालन में सहयोग दें।विधायक ने प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि रासायनिक खेती के कारण बढ़ती लागत, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को देखते हुए प्राकृतिक खेती आज समय की आवश्यकता बन गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्राकृतिक एवं जैविक खेती को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। सरकार न केवल किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित कर रही है बल्कि मक्की, हल्दी सहित कई स्थानीय कृषि उत्पादों की सरकारी खरीद कर किसानों को सुरक्षित बाजार भी उपलब्ध करवा रही है। विधायक ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपनी भूमि में प्राकृतिक विधि से सब्जियों व अन्य फसलों का उत्पादन करें ताकि स्वास्थ्य की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत सहित तीनों का लाभ एक साथ प्राप्त हो सके। इस मौके पर जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी भानुप्रताप ने वाटरशेड परियोजना संबंधी विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वाटरशेड परियोजनाओं के अंतर्गत कूल्हों का निर्माण, चेक डैम, गली प्लग, वर्षाजल के संरक्षण द्वारा भूजल रिचार्ज बढ़ाना, मिट्टी कटाव रोकना, बावड़ियों की सुरक्षा एवं पुनर्स्थापन जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सब कार्यों का सुचारू रखरखाव हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

खंड विकास अधिकारी सुमन कुमारी ने वॉटरशेड परियोजना के अंतर्गत आयोजित की जा रही प्रतियोगिताओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रतिभागियों को 30 से 60 सेकंड की रील या जल संरक्षण से संबंधित फोटो बनाकर उसे सोशल मीडिया में अपलोड कर लिंक को wdcpmksy.dolr.gov.in पोर्टल पर अनिवार्य रूप से शेयर करना होगा। प्रतियोगिता 31 दिसंबर तक आयोजित की जा रही है और सर्वश्रेष्ठ रील एवं फोटो को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों तथा ग्रामीणों ने जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रभावशाली भाषण एवं लोकगीत प्रस्तुत किए जिन्हें विधायक किशोरी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी बैजनाथ संकल्प गौतम, प्रधान महालपट्ट डॉ आशा देवी, प्रधान खड़ानाल रोहित जमवाल, प्रधान कंदराल राजो देवी, उपप्रधान महालपट्ट वनवीर, सहायक अभियंता जलशक्ति शरती शर्मा, सहायक अभियंता विद्युत सुभाष कपूर, खंड स्वास्थ्य पर्यवेक्षक रवि स्याल, कार्यकर्ता नागेंद्र कटोच, मदन, काका शर्मा, हरबंश, रमेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धारकण्डी में 88 करोड़ के विकास कार्य प्रगतिरत : केवल सिंह पठानिया

- 1.13 करोड़ के उद्घाटन व शिलान्यास ● बोले.....लोगों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, 88 लाख से बनेगी रौण सड़क ● बोह में मेधावी बच्चों को किया पुरस्कृत

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के धारकण्डी में लगभग 88 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह जानकारी शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बोह के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हिमाचल सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर लगातार ठोस कदम उठा रही है। राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल, शिक्षक भर्ती, पाठ्यक्रम सुधार तथा कलस्टर प्रणाली जैसे नवाचारों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो रहा है।

रौण सड़क का शिलान्यास — 300 आबादी को मिलेगा लाभ – उपमुख्य सचेतक ने बताया कि बोह पंचायत के दुर्गम गांव रौण की वर्षों पुरानी मांग को आज पूरा कर दिया गया है। 88 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया गया है, जिससे लगभग 300 लोगों को यातायात सुविधा मिलेगी।

लाम गांव की सड़क का लोकार्पण – उन्होंने बताया कि 12 लाख रुपये से निर्मित जीप योग्य लाम सड़क का लोकार्पण कर दिया गया है, जिससे गांव के करीब 25 परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त घरौली गाँव के लिए 5 लाख रुपये से बने इंटरलॉक टाइलयुक्त मार्ग को भी जनता को समर्पित किया गया।

8 लाख के अतिरिक्त कमरे जनता को समर्पित – विधायक ने विद्यालय में 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कमरों का भी लोकार्पण किया।

उन्होंने बच्चों को बैठने हेतु 150 डेस्क देने की घोषणा की।

मेधावी बच्चों को किया सम्मानित – कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने वर्षभर शैक्षणिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। प्रधानाचार्य वचन सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा मुख्यातिथि का स्वागत किया। एसएमसी प्रधान ओम ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया।

यह रहे उपस्थित – इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जलशक्ति अमित डोगरा, बीडीओ रैत कमलजीत, सहायक अभियंता विद्युत विक्रम शर्मा, रेंज ऑफिसर सुमित शर्मा, सहायक अभियंता जलशक्ति जलशक्ति रज्जाक मोहम्मद, सहायक अभियंता लोक निर्माण नितेश,जेई ग्रामीण विकास राजीव, बीईईओ मिनटों देवी, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, एचआरटीसी बीओडी निदेशक विवेक राणा, जिप सदस्य रितिका शर्मा, पंचायत प्रधान सपना, उपप्रधान पप्पू, उपप्रधान रूलेड ओम, पूर्व बीडीसी अक्षय, प्रधान धारकण्डी क्षेत्र शशी शर्मा, प्रताप जरियाल,सुदेश राणा, जोधा राम सहित विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, अभिभावक व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय आपदा बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

सोलन। ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोलन द्वारा विकास खण्ड सोलन कार्यालय में आज तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह आयोजित किया गया। यह जानकारी खण्ड विकास अधिकारी सोलन रमेश शर्मा ने दी। रमेश शर्मा ने कहा कि अचानक आई आपदा से हुए नुकसान को न्यून करने में प्रशिक्षित व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं व स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि कार्यक्रम में सीखे गए आपदा बचाव तरीके जन-जन तक पहुंचाएं।
उन्होंने कहा कि विकास खण्ड की समस्त पंचायतों से लगभग 15 आपदा स्वयंसेवकों को तैयार किया जाएगा ताकि आपदा के समय होने वाले नुकसान को न्यून किया जा सके। इस अवसर पर 113 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI No. HPHIN/2003/10944, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25 स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्ज, बुथ नं. 437 - पी (बी. पी. पेट्रोल पंप के पीछे), सेक्टर-8, पंचकूला से मुद्रित एवं प्लाट नं. 7 - ए, दूसरी मंजिल, गैबरियल रोड, सेक्टर-2, परवाणू, सोलन (हि.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- एकांन्ति रॉय गर्ग 7 हिमाचल कार्यालय प्लाट नं. 7 - ए, दूसरी मंजिल, गैबरियल रोड, सेक्टर-2, परवाणू, सोलन (हि.प्र.) । 9915606900

न्यूज डायरी

डायसन ने लॉन्च किया हशजेट प्यूरिफायर कंपैक्ट, अगली पीढ़ी की एयर प्यूरिफिकेशन तकनीक से लैस

हिन्द जनपथ

लुधियाना(ब्यूरो)। डायसन ने भारतीय बाजार में अपने नए डायसन हशजेट प्यूरिफायर कंपैक्ट को लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे अगली पीढ़ी की एयर प्यूरिफिकेशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

यह प्यूरिफायर उच्चतम शक्तिशाली एयरफ्लो, बेहद शांत संचालन, और पांच साल तक चलने वाले 360-डिग्री इलेक्ट्रोस्टैटिक फिल्टर से लैस है। नई हशजेट नोजल तकनीक ने इसे पारंपरिक एयर मल्टीप्लायर से आगे बढ़ाते हुए अधिक केंद्रित और प्रभावी एयर प्रोजेक्शन प्रदान किया है। दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई शहरों में बिगड़ती एयर क्वालिटी ने इनडोर प्रदूषण को गंभीर बना दिया है, जिससे घरों में पीएम2.5, पीएम10 और अन्य हानिकारक तत्वों का स्तर बढ़ गया है। इस डिवाइस का डिजइन उन्नत है। इसमें हशजेट एंट्रेनमेंट नोजल की विशेषता है, जो हवा को तेज और समान रूप से पूरे क्षेत्र में फैलाती है। इसके फिल्टर 99.97% तक प्रदूषकों को हटाने में सक्षम हैं।

स्लीप मोड में, यह 24 डेसिबल की ध्वनि के साथ कार्य करता है, जो शांति प्रदान करता है। इसके इंटेलिजेंट सेंसर रियल-टाइम में एयर क्वालिटी का माप लेते हैं और प्रदर्शन को समायोजित करते हैं। कनेक्टिविटी में, डायसन हशजेट प्यूरिफायर कंपैक्ट माय डायसन ऐप और वॉइस कमांड के साथ कार्य करता है। इसकी कीमत 29,900 रुपये है और यह 100 वर्ग मीटर तक के कमरों में प्रभावी है। ग्राहक इसे डायसन स्टोर्स या वेबसाइट से खरीद सकते हैं।

ईमामी ने रणनीतिक रीब्रांडिग की घोषणा की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केश किंग ने रीब्रांडिंग की पहल करते हुए पेश किया है केश किंग गोल्ड । इससे ब्रांड की पहचान, प्रस्तुति और पैकिजंग को एक नया और आकर्षक दर्जा मिला है। सुश्री प्रीति ए. सुरेका, एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर, ईमामी लिमिटेड ने कहा,इस रीब्रांडिग के ज़रिये ईमामी ने अपने ब्रांड केश किंग के लिए एक अलग रणनीति को अपनाया है। अब यह केवल अपने पारंपरिक आयुर्वेदिक बुनियाद तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक दमदार नई सोच को अपनाया है: आयुर्वेद + विज्ञान।उत्पाद के इस नए अवतार से ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता, प्रभावशीलता और उपयोगिता का लाभ मिलेगा और वो भी बिल्कुल नए रूप में। ब्रांड के आयुर्वेद की परंपरा को पूरी तरह से बरकरार रखते हुए इस नए उत्पाद को ग्राहकों की मांगों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

एमएसईडीसीएल ने बनाया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड; सीआरआई सोलर ने गर्व के साथ दिया ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान

हिन्द जनपथ

अम्बाला (ब्यूरो)। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक ऐतिहासिक सफलता में, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) ने मात्र एक महीने के भीतर 45,911 सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित करके गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि एमएसईडीसीएल के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत क्रियान्वयन क्षमताओं और देश के कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।सी. आर. आई. पंप्स के सोलर डिवीजन को इस परिवर्तनकारी सौर पहल का प्रमुख योगदानकर्ता होने पर गर्व है। महाराष्ट्र के 1,686 गाँवों में सोलर पंप स्थापित करके, सी. आर. आई. सोलर ने हज़ारों किसानों को टिकाऊ जल समाधान प्रदान किए हैं। प्रत्येक स्थापना उत्कृष्ट सटीकता, अनुशासित निष्पादन और समन्वित टीमवर्क के साथ पूरी की गई — जो सी. आर. आई. की विशिष्ट क्षमताओं को दर्शाती है।इस उपलब्धि पर सी. आर. आई. समूह के चेयरमैन श्री जी. सुंदरराजन ने कहा, "यह गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड केवल एक असाधारण उपलब्धि नहीं है—यह राष्ट्र के गर्व का क्षण है और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम एमएसईडीसीएल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भारत को बुद्धिमान, भविष्य-उन्मुख ऊर्जा तकनीकों की ओर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।"

टाटा प्ले बिंज ने दो नए ऐप - अल्ट्रा प्ले और अल्ट्रा झक्कास पेश किए

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत में एक ही जगह सबसे ज्यादा व्यापक मनोरंजन प्रदान करने के अपने उद्देश्य के अंतर्गत टाटा प्ले बिंज ने ओटीटी सेवाओं के अपने संग्रह में अल्ट्रा प्ले और अल्ट्रा झक्कास को शामिल कर लिया है। इस साझेदारी से हिंदी और मराठी भाषाओं में मनोरंजन सेवाओं के लिए टाटा प्ले की स्थिति मजबूत हुई है। यह देश में विभिन्न भाषाओं में मनोरंजन प्राप्त करने के इच्छुक ग्राहकों के लिए बेहतरीन पे श क श है।अल्ट्रा प्ले हिंदी भाषा की ओटीटी सेवा है, जिसका संचालन अल्ट्रा मीडिया प्राईवेट लिमिटेड करते हैं। इस पर पुरानी फिल्में उपलब्ध हैं, जिनकी कुल अवधि 5,000 घंटे से अधिक है। साथ ही, भारतीय फिल्म उद्योग की सात प्रमुख वाणिज्यिक शैलियों में 1,800 से अधिक शीर्षक भी उपलब्ध हैं। साल 1943 से लेकर आज तक की लोकप्रिय हिंदी फिल्मों, वेब सीरीज़, दक्षिण भारत की लोकप्रिय फिल्मों और हिंदी में डब की गई हॉलिवुड फिल्मों के साथ अल्ट्रा प्ले भारत और विश्व में 600 मिलियन से अधिक दर्शकों को उनकी पसंद की सेवा प्रदान करता है। इस पर उपलब्ध मुख्य फिल्में हैं, क्रिश, गदर एक प्रेम कथा, दबंग, कहो ना प्यार है, 3 इडियट्स, टॉयलेट एक प्रेम कथा, अंदाज अपना अपना, गजनी और गुरु दत्त, राज कपूर एवं राजेश खन्ना की पुरानी फिल्में।इस साझेदारी के बारे में पल्लवी पुरी, चीफ कमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, टाटा प्ले ने कहा, ''2025 में टाटा प्ले ने लगातार अपना संग्रह बढ़ाया है। हम भारत के व्यापक मनोरंजन को एक ही मंच पर लेकर आए हैं। अल्ट्रा प्ले और अल्ट्रा झक्कास हिंदी और मराठी भाषा के मनोरंजन में हमें और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। हमारे दर्शकों को विभिन्न सांस्कृतिक फिल्में, शो और वेब सीरीज़ देखने को मिलेंगी।

विदेशी हैंडलरों से जुड़े सीमा–पार ड्रग कार्टेलों का अमृतसर में भंडाफोड़; 4 किलोग्राम आइ.सी. ई., 1 किलोग्राम हेरोइन सहित तीन गिरफ्तार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़/अमृतसर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को नशा–मुक्त राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के तहत बहु-स्तरीय कार्रवाई करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने विदेशी हैंडलरों से जुड़े, सीमा–पार सक्रिय संगठित ड्रग कार्टेलों के तीन सदस्यों को 4.083 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (आइ.सी. ई.,) और 1.032 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार कर इन गिरोहों को निष्क्रिय कर दिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहाँ दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बलविंदर सिंह उर्फ बिंदर (25), निवासी गाँव दाओके (अमृतसर); नवतेज सिंह (33), निवासी गाँव माहवा (अमृतसर), जो वर्तमान में तरनतारन के एक गाँव में रह रहा था; और महांबीर सिंह (32), निवासी गाँव कालिया स्कात्रा (तरनतारन) के रूप में हुई है। नशीले पदार्थों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने आरोपियों से 2500 रुपये की ड्रग मनी, एक कार और एक एक्टिवा स्कूटर भी जब्त किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार व्यक्ति व्हाट्सऐप के जरिये पाकिस्तान और विदेशों में सक्रिय तस्करों से तालमेल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

- **गिरफ्तार किए गए व्यक्ति व्हाट्सऐप के जरिए पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे: डीजीपी गौरव यादव**
- **जांच जारी, और गिरफ्तारियाँ व बरामदगियाँ होने की संभावना: सीपी अमृतसर गुरप्रीत भुल्लर**

ऑपरेशन संबंधी जानकारी साझा करते हुए अमृतसर के पुलिस आयुक्त (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पुलिस ने संदिग्ध बलविंदर सिंह उर्फ बिंदर को 35 ग्राम आइ.सी. ई., सहित गिरफ्तार किया और पूछताछ में उसने एक पाकिस्तानी तस्कर से रिश्तों का खुलासा किया, जो उसे व्हाट्सऐप के माध्यम से ड्रॉप लोकेशन भेजता था। उनके अनुसार, आरोपी के खुलासों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 2.042 किलोग्राम आइ.सी. ई., बरामद की, जिससे उससे कुल बरामदगी 2.077 किलोग्राम हो गई।

उन्होंने बताया कि इसी तरह एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने संदिग्ध नवतेज सिंह को 40 ग्राम आइ.सी. ई., सहित काबू किया। जांच में पता चला कि नवतेज पहले दोहा, क़तर में काम करता था, जहाँ उसकी मुलाकात एक हैंडलर से हुई थी। यह हैंडलर व्हाट्सऐप निर्देशों के जरिए भारत में ड्रग्स की लाने - लेजाने से संबंधित काम सौंपता था। जांच में यह भी पता चला कि नवतेज एक कोरियर के रूप में काम करते हुए नशीले पदार्थों के पैकेट प्राप्त करता था और उन्हें आगे सप्लाई करता था। उसके खुलासों के आधार पर पुलिस ने 1.966 किलोग्राम अतिरिक्त आइ.सी. ई., बरामद की, जिससे कुल बरामदगी 2.006 किलोग्राम हो गई।

सीपी ने बताया कि तीसरी समानांतर कार्रवाई में पुलिस ने महावीर सिंह को 1.032 किलोग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। जांच से पता चला है कि वह पाकिस्तान स्थित तस्कर से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की खेपें प्राप्त कर रहा था।

इस संबंध में तीन अलग-अलग मामले — एफआईआर नंबर 337 दिनांक 05-12-2025, एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी और 29 के तहत, तथा एफआईआर नंबर 340 दिनांक 09-12-2025 धारा 21-सी के तहत, दोनों थाना हकीमा में; और एफआईआर नंबर 251 दिनांक 07-12-2025 धारा 22-बी और 22-सी के तहत थाना छेहरटा में दर्ज किए गए हैं।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 284वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 4 किलो आई सी ई और 1.7 किलो हेरोइन सहित 84 नशा तस्कर काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर राज्य में नशों के पूर्ण ख़ातमे के लिए चलाए जा रहे "युद्ध नशों विरुद्ध" के 284वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 339 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके उपरांत प्रदेशभर में 70 एफआईआर दर्ज कर 84 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 284 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 39,984 हो गई है।

छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 4 किलो आई सी ई , 1.7 किलो हेरोइन, 50 ग्राम अफ़ीम, 33 किलो भुक्की, 965 नशीली गोलियाँ और 2910 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को पंजाब को नशामुक्त प्रदेश बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी बनाई गई है।

इस ऑपरेशन के दौरान 68 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 339 स्थानों पर छापेमारी की है। उन्होंने आगे बताया कि दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 335 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की है। ध्यान देने योग्य है कि पंजाब सरकार ने राज्य में नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति — प्रवर्तन, डी-अडिक्शन और प्रिवेंशन (ई डी पी) — लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के रूप में आज 42 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए तैयार किया है।

ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनाव: पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए 44 हज़ार से अधिक पुलिस कर्मी तैनात

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में आगामी दिनों में होने वाले ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनावों को ध्यान में रखते हुए, पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने आज कहा कि पंजाब पुलिस राज्य में पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उल्लेखनीय है कि पंजाब में ज़िला परिषद और पंचायत समिति चुनाव 14 दिसंबर को होंगे और 17 दिसंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

राज्य में सकारात्मक माहौल बनाए रखने की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए, डीजीपी गौरव यादव ने सभी पुलिस अधिकारियों को पेशेवर पुलिसिंग और आदर्श चुनाव आचार संहिता की सख़्ती से पालना करने के निर्देश दिए।

इस संबंध में जानकारी देते हुए, विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने राज्य के सीपी/एसएसपी और रेंज डीआईजी के साथ वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करने के उपरांत कहा कि राज्यभर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और फील्ड अधिकारियों को चुनाव के दौरान तैनाती के लिए ज़िलों से कम से कम 75 प्रतिशत पुलिस बल उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

उन्होंने कहा कि सभी सीपी/एसएसपी को पहले ही समाज विरोधी तत्वों पर कड़ी नज़र रखने, आम जनता में विश्वास पैदा करने के लिए अपने क्षेत्राधिकार में फ्लैग मार्च निकालने और मज़बूत अंतर-राज्यीय व अंतर-ज़िला नाके लगाने के निर्देश दे दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त पड़ोसी राज्यों के डीजीपी को पंजाब से लगती सीमा पर अपने हिस्से में नाके लगाने का अनुरोध पहले ही किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि 13,395 पोलिंग स्टेशनों पर 18,718 पोलिंग बूथ स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 860 को अति-संवेदनशील और 3,405 को संवेदनशील पोलिंग स्टेशन घोषित किया गया है।

विशेष डीजीपी ने कहा कि राज्य में पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए गज़टेड रैंक के अधिकारियों की निगरानी में 44,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी सीपी और एसएसपी को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार और सक्रिय गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पी.पी.सी.बी. ने ठोस कचरे के उचित प्रबंधन संबंधी जागरूकता एवं प्रशिक्षण सेशन करवाया

जालंधर- पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.पी.सी.बी.) द्वारा कचरे को खुले में जलाने पर रोक लगाने तथा सूखे व गीले कचरे की सोर्स सेगरीगेशन को प्रोत्साहित करने संबंधी जागरूकता-कम-प्रशिक्षण सेशन करवाया गया।

यह प्रशिक्षण सेशन नगर निगम जालंधर और नगर निगम कपूरथला के सैनिटरी इंस्पेक्टरों, सुपरवाइजरों, सफाई सेवकों/स्वच्छता कर्मियों तथा बागवानी विभाग के अधिकारियों के लिए करवाया गया।

दोनों निगमों में अलग-अलग पूरे दिन चले सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को म्यूनिसिपल तथा बागवानी कचरे को खुले में जलाने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों तथा वायु प्रदूषण में इसके बड़े योगदान के बारे में विस्तार से बताया गया। सूखे और गीले कचरे का स्रोत पर अनिवार्य अलगाव को प्रभावी एवं पर्यावरण-अनुकूल ठोस कचरा प्रबंधन का महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

पी.पी.सी.बी. के अधिकारियों ने सैनिटरी इंस्पेक्टरों और फील्ड स्तर के सफाई कर्मचारियों के साथ विस्तृत चर्चा की ताकि उनके दैनिक कार्यों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को समझा जा सके और उनका समाधान किया जा सके।

सभी प्रतिभागी सफाई कर्मचारियों एवं फील्ड स्टाफ ने आश्वासन दिया कि वे किसी भी प्रकार के ठोस कचरे को जलाना पूरी तरह बंद कर देंगे तथा स्रोत पर ही सूखे व गीले कचरे का सौ प्रतिशत अलगाव सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी विश्वास दिलाया कि अपने-अपने वार्डों में रहने वाले लोगों को कचरा सही ढंग से अलग करने के लिए सक्रिय रूप से प्रेरित और जागरूक करेंगे।

इस प्रोग्राम को काफी समर्थन मिला है, जिससे दोनों शहरों में वैज्ञानिक ठोस कचरा प्रबंधन के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को काफी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके फलस्वरूप शहर और अधिक स्वच्छ, हरे-भरे तथा स्वस्थ बनेंगे।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा: भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

परिवर्तन को दर्ज करने वाला क्षण

ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प

इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों, शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक

लेखक: केंद्रीय कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा

माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

परंपरा का आधुनिक अभिव्यक्ति में विस्तार

आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को 'पेरिस हौते कॉउचर वीक' में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब 'ट्रांसफ़ॉर्मिंग वल्ड्र्स' जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि: "जब हम ऐसा करते हैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।" उन्होंने अपने नवीनतम 'मन की बात' संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके।

विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट, माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत

भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं है बल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

संपादकीय

बिना रुकावट मिड डे मील उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है?

सरकारी स्कूलों में बच्चों के पोषण का स्तर बेहतर करने और कक्षाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के मकसद से मध्याह्न भोजन की महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। मगर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ऐसे स्कूल भी हैं, जहां के बच्चों को दोपहर का भोजन तो मिल रहा है, लेकिन वह सरकार की ओर से जारी धन के जरिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के आपसी सहयोग या दुकानदारों से लिए गए उधार के सहारे। गौरतलब है कि कुल्लू जिले के आनी और निरमंड खंडों के दो सौ सतहत्तर स्कूलों के लिए पिछले तीन महीने से मध्याह्न भोजन का बजट जारी नहीं हुआ है। शिक्षकों को यह आशंका है कि अगर बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया न कराया जाए, तो उनके खिलाफ विभागीय या निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। वहीं बच्चों के पोषण के स्तर में कमी को लेकर भी सवाल उठ सकता है। ऐसे में इस इलाके में स्कूली बच्चों को उनके भरोसे छोड़ने के बजाय शिक्षकों ने अपने बीच आर्थिक सहयोग या फिर आसपास की दुकानों से उधार लेकर मध्याह्न भोजन किसी तरह जारी रखा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारी बजट की राशि जारी न होने के बावजूद जो शिक्षक आपसी आर्थिक सहयोग के जरिए स्कूल में बच्चों को भोजन मुहैया करा रहे हैं, वे संवेदनशील हैं और अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है।जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। निश्चित तौर पर शिक्षकों ने अपनी मानवीय भूमिका का निर्वाह किया। मगर सवाल है कि व्यवस्थागत रूप से मध्याह्न भोजन निर्बाध उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है? राशि की कमी की वजह से बच्चों को दोपहर के भोजन में अड़चन आने की स्थिति में शिक्षकों के भीतर विभागीय कार्रवाई का डर क्यों बैठा?

आखिर भारतीय संविधान से अपेक्षित मौलिक संशोधन कबतक? समझिए कितने हैं जरूरी?

(कमलेश पांडे)

भले ही भारतीय संविधान ने देश-काल-पात्र के परिप्रेक्ष्य में हम भारतीयों को बहुत कुछ दिया है, फिर भी इससे और अधिक लेने की अपेक्षा रखना लाजिमी है। इस दिशा में सुलगता हुआ सवाल यही है कि आखिर सिस्टम पर विगत लगभग आठ दशकों से कुंडली मार कर बैठने वाले लोगों या उनके उत्तराधिकारियों-परिजनों ने, जिसमें संविधान की आरक्षण व्यवस्था द्वारा पैदा किये हुए राजनीतिक, प्रशासनिक, न्यायिक और मीडियागत के 'अभिजात्य वर्गों' के विधिक शोषण से उनके ही वर्ग या समाज के संघर्षरत अन्य लोगों को आखिर मुक्ति कब तक मिलेगी!

इतना ही नहीं, नियम कानून द्वारा इस देश में असली समाजवाद, समानतावाद और समरसतावाद कब तक लाया जाएगा? वहीं, पूरी व्यवस्था पर हावी होते परिवारवाद और सम्पर्कवाद को कब और कैसे हतोत्साहित किया जाएगा? चाहे अल्पसंख्यक वाद हो या पंथनिरपेक्षता/धर्मनिरपेक्षता का सवाल, इसे व्यवहारिक अमलीजामा कब तक पहनाया जाएगा? वहीं, पाकिस्तान-बंगलादेश के मुकाबिल इसे तुलनात्मक रूप से कबतक लागू करवाया जाएगा? खास बात यह कि इस दिशा में सहयोगी साबित हो रहे द्विअर्थी कानूनों को आखिर कैसे और कबतक बदला जाएगा? वहीं, बहुमतधारी राजनेताओं द्वारा अल्पमत का धड़ल्ले से किये जा रहे उत्पीड़न को आखिर कैसे रोका जाएगा? वहीं, योग्यता के ऊपर अयोग्यता को कबतक थोपा जाता रहेगा? क्योंकि किसी भी सभ्य व सुसंस्कृत समाज में ऐसी विधिक विडंबनाओं के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, ऐसा मेरा और मेरे जैसे लोगों का स्पष्ट मानना है। साथ ही, पेशेवर संस्थाओं को भी क्षुद्र सियासत के मकड़जाल से शीघ्र मुक्त करवाना भी बदलते वक्त की मुखर मांग है, ताकि नीतिगत घालमेल को रोका जा सके।

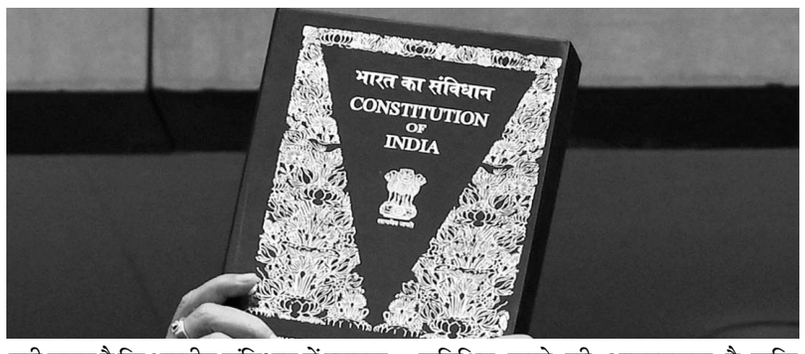

यही वजह है कि भारतीय संविधान में व्यापक सुधार के लिए कतिपय प्रमुख संशोधन बहुत जरूरी समझे जा रहे हैं।प्रासंगिक सवाल है कि आखिर भारतीय संविधान से अपेक्षित मौलिक संशोधन कबतक होंगे? यहां पर विस्तार पूर्वक समझिए कि ये अब कितने जरूरी बन चुके हैं? क्योंकि कानूनी स्थितियों के लाभ उठाते हुए कुछ अमीर लोग भी वास्तविक दलितों-पिछड़ों के हक मार रहे हैं। इसलिए कतिपय संवैधानिक सुधार बहुत जरूरी समझे जाते हैं। दरअसल, संवैधानिक संशोधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है ताकि वर्तमान समय की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों के अनुरूप पूछा जा सके। संशोधन प्रक्रिया में लचीलापन बढ़ाकर संविधान को और अधिक सामयिक बनाया जा सकता है। तत्सम्बन्धी बहुमूल्य सुझावों पर गौर किया जाना चाहिए, जिनमें निम्नलिखित बिंदु महत्वपूर्ण हैं:- पहला, संविधान में संशोधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाना चाहिए, ताकि राजनीति से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दी जा सके। संवैधानिक संशोधनों में नागरिक समाज और विभिन्न दलों की भागीदारी सुनिश्चित हो। वहीं, नीति निर्देशक सिद्धांतों को संविधान में और मजबूती देने तथा उनके अनुपालन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को बेहतर तरीके से संवैधानित किया जा सके। दूसरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा और उनका विस्तार करना जरूरी बताया गया है, साथ ही नागरिक स्वतंत्रताओं को मजबूत करने के लिए संवैधानिक प्रावधानों को सुधारा जाना चाहिए। संविधान के मूल ढांचे की रक्षा के साथ-साथ वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप संवैधानिक प्रावधानों में सुधार आवश्यक है, जैसे कि मौलिक अधिकारों का सशक्तीकरण एवं आपातकालीन प्रावधानों की सीमाओं का पुनः मूल्यांकन। नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से संवैधानिक नैतिकता को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। तीसरा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका सुधारों की मांग है, ताकि संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण प्रभावी तरीके से हो। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों को मजबूत करना, साथ ही न्यायालयों की कार्यप्रणाली को तीव्र और प्रभावी बनाना आवश्यक है। चतुर्थ, संघीय ढांचे को मजबूत करते हुए राज्यों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करना, ताकि स्थानीय समस्याओं का बेहतर समाधान हो सके और केंद्र के अतिक्रमण को रोका जा सके। संघीयता के संतुलन को सुधारने हेतु केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है, जिससे राज्यों की स्वायत्तता और निर्णायक शक्तियाँ बढ़ सकें तथा संघीय संकट कम हो। पंचम, सामाजिक न्याय और समावेशन के लिए विशेष वर्गों के अधिकारों की पुनः समीक्षा, जिससे वे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप रहें और सामाजिक एकता बनी रहे। छठा, डिजिटल युग में संविधान की प्रासंगिकता बनाए रखने हेतु नई तकनीकों को ध्यान में रखते हुए डेटा सुरक्षा, निजता और सूचना के अधिकार जैसे विषयों पर नए प्रावधान शामिल किए जाएं। सप्तम, आपातकालीन प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकने के लिए संवैधानिक व्यवस्था में स्पष्ट और सीमित प्रावधान रखने की सलाह दी जाती है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा हो सके। मेरा स्पष्ट मानना है कि ये बहुमूल्य सुझाव भारतीय संविधान को अधिक गतिशील, समावेशी और समय के साथ विकसित होते रहने वाला दस्तावेज़ बनाएंगे, जिससे यह देश के लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए बेहतर कार्य करेगा। ये सुझाव संविधान की गतिशीलता और प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ ही लोकतांत्रिक और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। संविधान की समय-समय पर समीक्षा एवं आवश्यक संशोधन इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं। जहां तक भारतीय संविधान में प्राथमिकता के साथ संशोधन किए जाने वाली संवैधानिक धाराओं का सवाल है तो उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं-पहला, अनुच्छेद 19 (मौलिक अधिकार) की धाराएं, खासकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी धाराएं, जिन्हें सामाजिक व राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से उचित संशोधनों की आवश्यकता है। अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार)- इसे समय के बदलते सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य से जुड़े खतरों के मद्देनज़र और अधिक व्यापक और विस्तृत बनाने की जरूरत है। अनुच्छेद 19 (मुक्ति के अधिकार)- विशेष रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नए सामाजिक और डिजिटल युग के संदर्भ में सीमाओं और जिम्मेदारियों के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता है। अनुच्छेद 15, 16 और 17 (भेदभाव की निषेध और समानता से संबंधित प्रावधान)- सामाजिक न्याय और समावेशन के लिए इन धाराओं को और मजबूत करने और आधुनिक सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए संशोधन आवश्यक हैं। अनुच्छेद 32 (नागरिकों को न्यायालयों के समक्ष मूल अधिकारों का संरक्षण)- इसे और अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने की जरूरत है ताकि नागरिकों को समय पर संरक्षण मिल सके। धर्मनिरपेक्षता की भूमिका को बचाए रखने के लिए इन धाराओं को संवैधानिक संदर्भ में पुनः स्पष्ट करना जरूरी है। सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक चुनौतियों के चलते इन धाराओं के संशोधन से मौलिक अधिकारों को आधुनिक परिस्थिति के अनुरूप सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे संविधान की प्रासंगिकता और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। बताते चलें कि भारतीय संविधान संशोधन की वैधानिक प्रक्रिया अनुच्छेद 368 के तहत निर्धारित है। इसमें संशोधन प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है और उसे दो-तिहाई बहुमत द्वारा पारित किया जाना चाहिए। वहीं, संघीय ढांचे से संबंधित संशोधनों के लिए कम से कम आधे राज्यों की विधानसभाओं की सहमति भी आवश्यक होती है। इसके पश्चात राष्ट्रपति की मंजूरी से संशोधन विधि रूप में लागू होता है। इस प्रक्रिया में राष्ट्रपति को विधेयक को रोकने या पुनर्विचार के लिए संसद को वापस भेजने का अधिकार नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बांग्लादेश में निर्मम हत्या, आखिर कहाँ जाएँ बांग्लादेशी हिंदू?

(नीरज कुमार दुबे)

शेख हसीना को हटाने के बाद से बांग्लादेश में जो माहौल बना है, उसने अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर हिंदुओं के जीवन को दहशत में बदल दिया है। मंदिर जलाने, हिंदुओं के घरों पर हमले, परिवारों का रातों-रात पलायन और अब स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या जैसे मामलों ने दुनिया को झकझोर दिया है। बांग्लादेश के रांगपुर में 1971 के मुक्ति संग्राम के वीर योद्धा जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी सुबर्णा रॉय की गला रेतकर हत्या ने जनमानस के मन-मस्तिष्क को झकझोर दिया है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह केवल एक सनसनीखेज आपराधिक घटना है या फिर यह उस गहरी बीमारी का लक्षण है जिसने बांग्लादेश की आत्मा को भीतर तक खोखला कर दिया है? 75 वर्ष के एक स्वतंत्रता सेनानी की इस तरह घर में बेरहमी से हत्या होना किसी भी समाज के लिए शर्म की बात है, लेकिन बांग्लादेश के संदर्भ में यह घटना और भी भयावह इसलिए है क्योंकि यह उस सतत बढ़ते पैटर्न का हिस्सा है जिसमें अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा लगातार बिगड़ती जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक, जब पड़ोसियों ने दरवाज़ा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो वह सीढ़ी लगाकर भीतर गए, जहाँ पति का शव डाइनिंग रूम में और पत्नी का शव रसोई में पड़ा था। दोनों के गले बेरहमी से काटे गए थे। न लूटपाट, न कोई विवाद, न कोई सुराग, केवल एक भयावह चुप्पी थी। पुलिस के पास न कोई संदिग्ध है, न कोई दिशा और न किसी तरह की प्रगति। यह एक अकेली घटना नहीं, बल्कि उस अव्यवस्था का प्रतिबिंब है जिसमें आज बांग्लादेश का प्रशासन पूरी तरह जकड़ा हुआ है। देखा जाये तो शेख हसीना को हटाने के बाद से बांग्लादेश में जो माहौल बना है, उसने अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर हिंदुओं, के जीवन को दहशत में बदल दिया है। मंदिर जलाने, हिंदुओं के घरों पर हमले, परिवारों का रातों-रात पलायन और अब स्वतंत्रता सेनानियों की हत्या जैसे मामलों ने दुनिया को झकझोर दिया है। इन सब घटनाओं के बावजूद अंतरिम शासक मुहम्मद यूनुस चुप्पी साधे हुए हैं। सवाल उठता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के प्रति आखिर कब तक अपनी आँखें बंद रखेगी? देखा जाये तो यूनुस शासन वास्तव में उन इस्लामवादी ताकतों के सहारे टिका है जिन्होंने हमेशा से अल्पसंख्यकों के अस्तित्व को चुनौती दी है। जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी संगठन खुलकर सक्रिय हैं और उनके उभार का सीधा परिणाम हिंदुओं पर हमले, दहशत और अब टार्गेट किलिंग है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बांग्लादेश का पुलिस ढांचा खुद अपंग हालत में है। 2024 के आंदोलन के दौरान जिस तरह पुलिस बल पर हमले हुए, उसके बाद आज तक स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। कई पुलिसकर्मी वापस ड्यूटी पर नहीं लौटे, कई मारे गए और कई लापता हैं। ऐसे में एक स्वतंत्रता सेनानी के दो बेटे जो खुद पुलिस में हैं, वह अपने माता-पिता की रक्षा तक सुनिश्चित नहीं कर सके तो फिर आम हिंदू परिवार किस पर भरोसा करे? हम आपको यह भी बता दें कि भारत ने 2021 से अब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 3,582 मामले आधिकारिक तौर पर उठाए हैं। मानवाधिकार संगठन चेतावनी पर चेतावनी जारी कर रहे हैं। लेकिन ढाका के सत्ता-गलियारों में यह सब प्रोपेगेंडा कहकर खारिज कर दिया जाता है। बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। हर वर्ष हजारों परिवार पलायन कर रहे हैं और अब जब देश की स्वतंत्रता का प्रतीक व्यक्ति अपने ही घर में असहाय मारा जाता है, तो यह केवल अपराध नहीं, यह पूरे राष्ट्र के चरित्र पर प्रहार है। यह बताता है कि अब स्थिति केवल खराब नहीं, बल्कि नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की क्षमता रखता है? या क्या बांग्लादेश में ऐसा करने की इच्छा भी बची है? सवाल यह भी उठता है कि यदि एक मुक्ति-योद्धा भी सुरक्षित नहीं है तो फिर अन्य कोई कैसे सुरक्षित हो सकता है? जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी की हत्या एक चेतावनी है। एक ऐसी चेतावनी जिसे अनसुना करना बांग्लादेश को और भी गहरे अंधकार में धकेलेगा। दुनिया को भी अब इस स्थिति को आंतरिक मामला कहकर नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। यह एक देश, एक समुदाय और उस ऐतिहासिक संघर्ष की आत्मा पर हमला है जिसने बांग्लादेश को जन्म दिया था। यदि बांग्लादेश को अपनी बहुलतावादी पहचान बचानी है, तो उसे इस हिंसा पर लगाम लगानी ही होगी, वरना इतिहास एक दिन यही लिखेगा कि देश ने अपने ही नायकों, अपने ही नागरिकों और अपनी ही मानवता को खो दिया। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5939

संकेतः बाएं से दाएं
1. विश्व में सबसे बड़ा बैंक इस देश में है (3)
4. यह भगवान महावीर की माता थी जिन्हें प्रिय कारिणी भी कहा गया है (3)
7. युद्ध, आक्रमण, चढाई (4)
8. हसरत, आरजू, तमन्ना (3)
9. सादृश्य, आभास, क्षणिक दर्शन (3)
13. मदिरा, सहित, शिल्पी (2)
14. दीवार मे सेंध लगाकर चोरी करना (5)
17. विश्व का प्राचीनतक विश्व विद्यालय जो बिहार में स्थित है (3)
19. पहाड़ के नीचे का मैदान (3)
21. नमूना, ट्रेलर, पूर्व झलक (3)
23. तलहटी, सिंचन, उपत्यका (3)
24. एक प्राचीन सिक्का जो दो पैसे के बराबर होता था, बांग्लादेश में इस मुद्रा को प्रचलन है (2)

ऊपर से नीचे
1. किए गए कामों का विवरण, कैफियत, सरकारी तौर पर देखना (3)
2. नाव के मस्तूल के सहारे ताना जाने वाला कपड़ा, पालने वाला (2)
3. डंका, धौंसा (3)
4. भूत, भविष्य, वर्तमान ये तीनों काल (3)
5. शांत करने वाला, शमन करने वाला (3)
6. ले आना, उपस्थित करना (2)
10. यह ऑट्रिया का प्रमुख नगर है जो डेल्टा नदी के किनारे बसा है (3)
11. पनडब्बा, गिलारी दान, तांबूल पेटिका (3)
12. विवाह होने के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन हुए पुत्र (कुंती सुत कर्ण और वेदव्यास यह कहलाते थे)(3)
15. भाग्य में लिखा हुआ, शर्त या दांव पर निर्धारित (2)
16. बहुत से लोगों का एकत्र जनसमूह (4)
18. लंबा होने का भाव, रेखिक नाप (3)
20. पुत्र, बेटा (2)
22. कृष्णापदेश, श्रीकृष्णार्जुन संवाद (2)

वर्ग पहेली 5938 का हल

ज	लि	या	वा	ला	बा	ग	
या		चा	ह	ना		ग	ति
प्र	ति		क		ज	न	
दा	न	व		ला	ल	च	
	का	न			च	र	स
का		स्प	र्श		र		फ
य	या	ति		फि		भा	ल
म	म		रा	जी		ना	ता

जीवन धारा- खुश रहना जीवन जीने की महान कला है

(लव गौर)

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखना किसी भी धन-दौलत से कीमती है। यह वही चमत्कारिक औषधि है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बना सकती है।हर बात में शिकायत ढूंढना, आलोचना करना और छोटी-सी बात में भी बुराई खोज लेना, आत्मा का धीरे-धीरे क्षय करने वाली सबसे घातक आदत है। यदि यह आदत जीवन की शुरुआत में ही पड़ जाए, तो व्यक्ति अनजाने में इसका कैदी बन जाता है। उसका आत्मबल क्षीण हो जाता है, उसका मन नकारात्मकता की धुंध से घिर जाता है, और फिर उसका पूरा जीवन निराशा और निंदकता की दलदल में फंस जाता है। जीवन में किसी भी क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने का सबसे पहला नियम है-हर परिस्थिति में उजियारा देखने की आदत डालना। चाहे विपरीत हवा कितनी भी प्रचंड क्यों न हो, अपने मन को यह वचन दीजिए कि मैं हर दिन को एक नई भोर की तरह देखूंगा। सफलता केवल मेहनत या कौशल का परिणाम नहीं होती, बल्कि यह आपके दृष्टिकोण का प्रतिबिंब भी होती है। चाहे जीवन में कितनी भी चुनौतियां आएं, यदि आप यह संकल्प ले लें कि हर दिन का भरपूर आनंद लेंगे और हर अनुभव में कुछ न कुछ सीखने योग्य ढूंढेंगे, तो आपके भीतर अद्भुत शक्ति जागृत होने लगती है। सकारात्मकता कोई साधारण आदत नहीं, बल्कि आत्मा को ऊंचा उठाने वाला अमृत है। कठिन से कठिन माहौल में भी यदि आप ध्यान से देखें, तो आपको कोई न कोई ऐसा पहलू अवश्य दिखेगा, जो मन को संतोष दे और आगे बढ़ने का रास्ता दिखाए। युवाओं के लिए यह क्षमता कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मुस्कान बनाए रखें, किसी भी धन-दौलत से अधिक कीमती है। यह वही शक्ति है, जो साधारण मनुष्य को असाधारण बनाने का सामर्थ्य रखती है। इसलिए संकल्प लें कि जीवन में आशावाद आपका स्थायी साथी होगा, निराशा को आपके भीतर घर करने की अनुमति कभी नहीं मिलेगी, और जहां भी जाएंगे, अपने साथ प्रकाश, ऊर्जा और प्रसन्नता लेकर जाएंगे। खुशी का प्रभाव किसी चमत्कारिक औषधि की तरह होता है। यह केवल मन को ही नहीं, शरीर को भी स्वस्थ बनाती है। एक खुशमिजाज व्यक्ति की उपस्थिति से पूरा माहौल बदल जाता है, वहां मौजूद लोगों के मन में उत्साह और वातावरण में नई ऊर्जा का संचार हो जाता है। जैसे एक संगीतकार बनने के लिए केवल इच्छा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास आवश्यक है, वैसे ही खुश रहना भी एक कला है, एक अनुशासन है। मन में यह विश्वास जगाएं कि हमारे भीतर बाधाओं को पार करने की अपार क्षमता है।

दृष्टिकोण बदलने भर से जीवन का हर दृश्य बदल जाता है। हर बुरी से बुरी घटना में भी कोई न कोई संदेश होता है, कोई सीख छिपी होती है, जो आगे बढ़ना सिखाती है। सच्चाई यही है कि प्रसन्न मनुष्य सबसे अधिक ताकतवर होता है। मैसिलन के शब्दों में 'स्वास्थ्य व अच्छा मूड इन्सान के लिए वही हैं, जो पेड़-पौधों के लिए धूप। खुश रहना कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की सबसे महान कला है।

हमेशा सकारात्मक रहें: जीवन में सफलता का आधार केवल मेहनत नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी है। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में उजाला देखने की आदत विकसित कर लेता है, वही जीवन की कठिनाइयों को अवसरों में बदल पाता है। शिकायत और आलोचना हमें भीतर से कमजोर करती हैं, जबकि आशावाद आत्मा को शक्ति देता है।

आज का राशिफल

मेष
आज के दिन किसी प्रकार की विशेष व्यवस्था करनी पड़ सकती है। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। कार्यों को सावधानीपूर्वक करने की कोशिश करें। इससे आपका आत्म सम्मान बढ़ेगा।

वृष
आज आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन-संपत्ति मिलने के भी योग बन रहे हैं। चन्द्रमा के चतुर्थ भाव में होने से पारिवारिक जीवन में सुख-शांति मिलेगी। व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी बनेंगे।

तुला
आज शुभ व्यय व मन संतोषकारक है। आज का दिन आनंद में बीतेगा। सिंह का चन्द्रमा सौन्दर्य में वृद्धि करेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक कर सकती है। ऐसे में समय का लाभ उठाएं।

वृश्चिक
आज का दिन कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आपके मौज बहार के दिन आने वाले हैं।

मिथुन
आज का दिन आपको भागदौड़ अधिक करनी पड़ सकती है। दिन में थोड़ी चिंता हो सकती है। पत्नी के स्वास्थ्य पर आज आपको थोड़ा अधिक ध्यान देना होगा। घर आए मेहमान अभी कुछ और समय तक आपके साथ ही रह सकते हैं।

कर्क
आज उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है। इसमें अचानक आपके खर्च में वृद्धि हो सकती है। इस दौरान संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलेगा। परिवार में आमोद-प्रमोद का वातावरण बना रहेगा। बहुत समय से रुके हुए किसी कार्य के पूरा होने की संभावना है।

धनु
आज दशम भाव में अकस्मात् बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष वृद्धि कर सकता है। आप अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें-इससे कोई स्थाई सफलता मिल जायेगी।

मकर
आज का दिन कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहे हैं। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें, हो सकता है आगे समय न मिले।

सिंह
आज भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। बुध के चतुर्थ भाव में होने से व्यावसायिक स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा सिद्ध होगा। व्यापार में निकटवर्ती सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और सुमधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

कन्या
आज आपके पास कई लोग मदद के लिए आ सकते हैं। ऐसे में सभी का सम्मान करें। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे। नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में चुप रहना ही आज आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में बेवजह की बहस व टकराव से बचें।

कुंभ
आज का दिन भाग्य वृद्धि करेगा। धन कर्म कीर्ति की वृद्धि होगी। शत्रु चिंता का दमन होगा। प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अन्त में सर्वत्र विजय विभूति सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे।

मीन
आज का दिन मनोरथ सिद्धि कारक है। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रुचि व निकट की यात्रा भी संभव है। रात्रि का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं तो अच्छा रहेगा।

चांदी ने 11 महीने में वो कर दिया जो सोना 1 साल में भी नहीं कर पाया

चांदी की कीमत बुधवार सुबह 1.90 लाख रुपये प्रति किलो के पार निकल गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
चांदी इस साल खूब चमक रही है। एमसीएक्स पर मार्च डिलीवरी वाली चांदी की कीमत बुधवार सुबह 1.90 लाख रुपये प्रति किलो के पार निकल गई। एक दिन पहले मंगलवार को भी चांदी में जबरदस्त तेजी आई। यह रेकॉर्ड 1.88 लाख रुपये प्रति किलो के नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई थी। अब बुधवार को इसने फिर से अपना नया रेकॉर्ड बना लिया। बुधवार सुबह सोना भी मामूली तेजी के साथ खुला। लेकिन इस साल रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है।

इस साल के 11 महीनों में चांदी की कीमत दोगुनी से ज्यादा हो गई है। चांदी में यह तेजी सोने से भी ज्यादा रही। इस साल इन 11 महीनों में चांदी ने जो

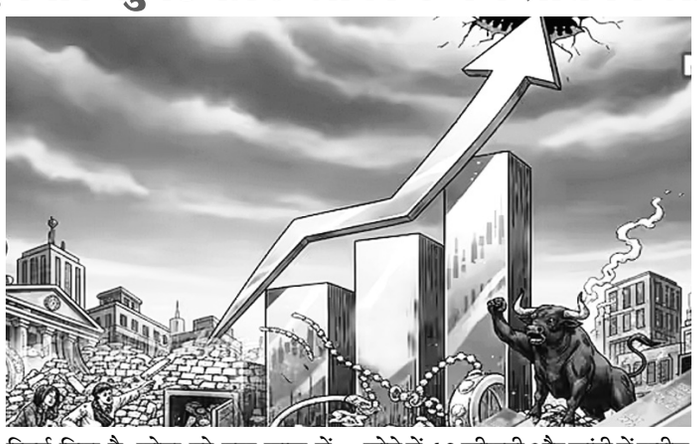

रिटर्न दिया है, सोना पूरे एक साल में नहीं दे पाया। इस साल जनवरी से लेकर नवंबर तक चांदी का रिटर्न करीब 100 फीसदी रहा है। वहीं सोने ने 60 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं पिछले एक साल में सोने में 60 फीसदी और चांदी में करीब 90 फीसदी की तेजी रही। चांदी की कीमत में तेजी का सबसे बड़ा कारण इसकी मांग में आई अचानक तेजी है। वहीं अक्टूबर में चीन से चांदी का निर्यात 660 टन से अधिक के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि चीन का भंडार पिछले दस सालों में सबसे निचले स्तर पर आ गया। ऐसा लंदन को बड़ी शिपमेंट के कारण हुआ, जो सप्लाई में कमी का नतीजा था। वहीं दूसरी ओर इस बात की उम्मीदें बढ़ रही हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में और कटौती करेगा। फेड रिजर्व आज रात ब्याज दरों की घोषणा करेगा। अगर ब्याज दरों में कटौती होती है तो सोना और चांदी की की कीमत में और तेजी देखी जा सकती है। साल 2026 के अंत फेड रिजर्व ब्याज दरों में तीन बार कटौती कर सकता है। ऐसे में आने वाले समय में सोना और चांदी की कीमत में और तेजी देखी जा सकती है।

सोने को पछाड़ा, बनाया रेकॉर्ड

इस साल यानी 2025 की शुरुआत में चांदी के मुकाबले सोना काफी तेजी से आगे बढ़ रहा था। कुछ समय बाद सीन पूरी तरह बदल गया। सोने में रफ्तार थमी और चांदी ने तेजी पकड़ ली। साल के अंत में स्थिति यह हो गई कि चांदी ने रिटर्न के मामले में सोने को काफी काफी पीछे छोड़ दिया। वहीं दूसरी ओर चांदी में इस साल कई रेकॉर्ड बना दिए हैं। ये रेकॉर्ड न केवल तेजी के हैं बल्कि कीमत के भी हैं। चांदी की कीमत अब रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

कितना था जनवरी में भाव

इस साल 2 जनवरी को एमसीएक्स पर चांदी की कीमत करीब 90 हजार रुपये प्रति किलो थी। वहीं अब यह करीब 1.90 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। ऐसे में देखें तो इसमें अब तक करीब 111 फीसदी की तेजी आई है। वहीं इंटरनेशनल लेवल पर 2 जनवरी को चांदी 28 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। फिलहाल चांदी अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर यानी करीब 57 डॉलर पर कारोबार कर रही है। यह पिछले महीने में 20 प्रतिशत से ज्यादा और इस साल अब तक 100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी है।

इस साल स्मॉल कैप 5 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 में अब तक स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स के प्रदर्शन में गिरावट देखी गई है और ये औसतन 5 प्रतिशत नीचे गिरे हैं। इसके बावजूद, बाजार के जानकारों का कहना है कि यह घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से निवेश करने का समय है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जिन निवेशकों का नजरिया 3 से 5 साल का है उन्हें बाजार की इस गिरावट को एक मौके की तरह देखना चाहिए और एसआइपी के जरिए निवेश जारी रखना चाहिए। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला ने ईटी को बताया कि अगर नजरिया 3-5 साल का है, तो निवेशक को स्मॉल कैप में निवेश बढ़ाना चाहिए। आनंद राठी वेल्थ के डायरेक्टर ऋषिकेश कहते हैं कि गिरावट सामान्य बात है और यह मार्केट साइकल का हिस्सा है। सबसे जरूरी बात टाइमिंग (कब पैसा लगाएं) नहीं, बल्कि यह है कि आपका एलोकेशन (पैसा किस अनुपात में लगा है) सही हो। उनका कहना है कि अगर आपके पोर्टफोलियो का 80 प्रतिशत हिस्सा स्मॉल कैप में है तो इसे कम करें। अगर बहुत कम या बिल्कुल निवेश नहीं है, तो धीरे-धीरे निवेश बढ़ाकर बैलेंस बनाएं। लंबे समय पर फोकस रखें।

63 फीसदी बढ़कर 14700 पहुंच गई वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियों ने बड़ी छूट की शुरुआत की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ह्यूंडई और किआ सुस्त मांग को बढ़ावा देने के लिए रिकॉर्ड छूट की घोषणा की हैं। 22 सितंबर से पेट्रोल और डीजल कारों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद ऐसे पर्यावरण अनुकूल वाहनों की बिक्री में गिरावट आई है। यह कदम पेट्रोल और डीजल कारों पर जीएसटी में कटौती के बाद कंपनियों ने उठाया है, जिससे कीमतों में अंतर बढ़ गया है और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री कम हो गई है। प्रमुख वाहन निर्माताओं ने सुस्त मांग से निपटने और मौजूदा स्टॉक को नए साल के पहले खाली करने के लिए ईवी पर साल के अंत में रिकॉर्ड छूट की पेशकश शुरू कर दी हैं। ये कटौती सीमित समय के लिए साल के अंत में की जा रही हैं। इनका उद्देश्य इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बाजार की गतिविधियों में सुधार लाना है। इससे बदलाव आ रहा है। इस साल नवंबर में ईवी की पहुंच घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई। जीएसटी में बदलाव से पहले 5 फीसदी थी। कुल वाहनों का पंजीकरण नवंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 3.94 लाख के पार रहा। हालांकि, लग्जरी ईवी बाजार कम छूट के साथ स्थिर बना हुआ है।

अडानी ग्रीन एनर्जी के 2.8 करोड़ शेयर बेच दिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आज बुधवार, 10 दिसंबर को करीब 2 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। यह उछाल उस बड़े सौदे के बाद आया, जिसमें लगभग 2.8 करोड़ शेयरों में डील हुई। यह ब्लॉक डील प्री-ओपन सेशन में हुई और इतनी बड़ी मात्रा कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 1.7 प्रतिशत हिस्सा दर्शाती है। बाजार में इस बड़े लेनदेन ने अचानक हलचल बढ़ा दी है हालांकि खरीदार और विक्रेता का नाम अभी सामने नहीं आया है। ब्लॉक डील में शेयरों का औसत भाव करीब 970 प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन का मूल्य लगभग 2,718 करोड़ बैठता है। ताज़ा डील के बाद निवेशकों की नजर कंपनी की शेयरहोल्डिंग स्ट्रक्चर पर भी टिक गई है। सितंबर तिमाही के अंत में अडानी ग्रीन में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 62.43 प्रतिशत थी। वहीं सार्वजनिक निवेशकों में म्यूचुअल फंड्स के पास 1.64 प्रतिशत और एलआईसी के पास 1.3 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। जीक्यूजी पार्टनर्स के पास 1.85 प्रतिशत हिस्सेदारी और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास कुल 11.29 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी में एलन मस्क

नई दिल्ली, एजेंसी।
दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क नया इतिहास बनाने जा रहे हैं। उनकी कंपनी स्पेसएक्स अगले साल यानी 2026 में दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी इस आईपीओ से 30 अरब डॉलर से भी ज्यादा की रकम जुटा सकती है। इस पर कंपनी की वैल्यूएशन करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

मौजूदा सेकंडरी ऑफरिंग में स्पेसएक्स के शेयर की वैल्यू करीब 420 डॉलर तय की गई है। इससे कंपनी का मूल्यांकन 800 अरब डॉलर से ऊपर चला गया है। अगर स्पेसएक्स इस वैल्यूएशन पर कंपनी का 5 प्रतिशत हिस्सा बेचती है, तो उसे 40 अरब डॉलर के शेयर बेचने होंगे। यह इसे अब तक

का सबसे बड़ा आईपीओ बना देगा। स्पेसएक्स अभी दुनिया की सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप कंपनी है।

कब तक आएगा आईपीओ?

कोशिश कर रहे हैं। हालांकि बाजार की स्थिति और कुछ अन्य वजहों से यह तारीख आगे बढ़कर 2027 तक भी जा सकती है। स्पेसएक्स ने इस बारे में तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की है। अब तक सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको का रहा है जिसने 2019 में आईपीओ के जरिए 29 अरब डॉलर जुटाए थे। हालांकि कंपनी ने केवल 1.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। सूत्रों ने बताया कि मस्क और कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल के दिनों में आईपीओ और फंड जुटाने की योजनाओं को आगे बढ़ाया है। स्पेसएक्स के आईपीओ की राह तेज होने की एक बड़ी वजह उसका तेजी से बढ़ती स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस है।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ को लेकर रघुराम राजन का बड़ा बयान, बोले- पाकिस्तान ने अच्छा खेला...

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका की ओर से भारतीय सामान पर लगाए गए भारी टैरिफ को लेकर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के बयान ने नई बहस खड़ी कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में राजन कहते हुए नजर आए हैं कि ट्रंप प्रशासन ने 50 प्रतिशत टैरिफ रूस से तेल खरीद को लेकर नहीं, बल्कि भारत द्वारा ट्रंप की पाकिस्तान को लेकर की गई टिप्पणी का समर्थन न करने की वजह से लगाया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को

निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। इस सैन्य कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, जिसके बाद 10 मई को संघर्ष विराम की घोषणा हुई। ट्रंप ने दावा किया कि यह उनके हस्तक्षेप से यह संभव हुआ।

भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह समझौता पाकिस्तान की ओर से डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस के जरिए बातचीत के बाद हुआ। पहले पाकिस्तान ने भी इस दावे को अस्वीकार किया, बाद में उसने इसे स्वीकार करते हुए ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया। राजन के बयान के बाद सोशल मीडिया पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कई यूजर्स ने कहा कि भारत ने झूठी कहानी स्वीकार नहीं की और यही संप्रभु रुख था, जबकि पाकिस्तान ने कूटनीति के लिए ट्रंप को श्रेय दिया।

राजन ने क्या कहा

ज्यूरिख में एक कार्यक्रम के दौरान राजन ने कहा कि मुद्दा रूसी तेल नहीं थाज यह व्हाइट हाउस में मौजूद कुछ व्यक्तित्वों का मसला था और भारत ने ट्रंप की टिप्पणी को कैसे लिया, इसका असर पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे को स्वीकार कर उसके पक्ष में बयान दिए, जबकि भारत ने कहा कि संघर्ष विराम बिना अमेरिकी भूमिका के हुआ था। राजन के अनुसार पाकिस्तान ने खेल समझा और ट्रंप को श्रेय दिया, इसलिए उसे 19 प्रतिशत टैरिफ झेलना पड़ा, जबकि भारत को 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया।

पाकिस्तान ने ट्रंप के हर दावे का किया समर्थन

राजन ने स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुए संघर्ष विराम पर ट्रंप ने जिस तरह दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को बातचीत के लिए मनाया, भारत ने उस दावे का समर्थन नहीं किया। इसके उलट पाकिस्तान ने इस दावे पर कोई आपत्ति नहीं जताई। जबकि पाकिस्तान 'साथ खेला' और उसे केवल 19 प्रतिशत शुल्क झेलना पड़ा। यह वीडियो 4 दिसंबर का बताया जा रहा है, वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर कई यूजर्स ने राजन पर सच तोड़ने-मरोड़ने और भारत को कमजोर दिखाने का आरोप लगाया है।

यूट्यूब वीडियो ने किया प्रेरित से सीखा काम, अब सालाना 40 लाख का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में दशकों से लाखों महिलाओं का जीवन घर और परिवार की जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। इसी पैटर्न पर चलते हुए दिल्ली की सुमन सुखीजा भी एक समर्पित गृहिणी थीं। उनकी दुनिया शिक्षा, विवाह और बच्चों के पालन-पोषण तक सीमित थी। लेकिन, जब उनके बच्चे आत्मनिर्भर हुए और उन्हें अचानक खाली समय मिला तो उन्होंने इसे नकारात्मकता में नहीं बदलने का संकल्प लिया। इस एक विचार ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। बिना किसी वैज्ञानिक या व्यावसायिक पृष्ठभूमि के उन्होंने ऑरेंज हर्ब नाम का वेलनेस ब्रांड बनाया। आज यह सालाना 40 लाख रुपये का कारोबार करता है। उनकी यह यात्रा एक साधारण 10×10 फीट के कमरे से शुरू हुई। वह अब भारत में हजारों महिलाओं के लिए उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी हैं। आइए, यहां सुमन सुखीजा की सफलता के सफर के बारे जानते हैं।

छोटे सा कमरा बना प्रयोगशाला: कीड़ा जड़ी की खेती सीखने के दृढ़ संकल्प के साथ सुमन ने फरवरी 2018 में विशेष प्रशिक्षण लिया। वापस आकर उन्होंने अपने घर के एक साधारण 10×10 फीट के कमरे को एक प्रयोगशाला में बदल दिया। हालांकि, अनुभव की कमी के कारण उनका पहला पूरा बैच बर्बाद हो गया। 11 लाख रुपये का शुरुआती निवेश भारी पड़ गया। लेकिन, विफलता से हार मानने

के बजाय उन्होंने इससे सबक लिया। उन्होंने साफ-सफाई के कड़े प्रोटोकॉल अपनाए, हर उपकरण को स्टरलाइज किया और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं पर फोकस किया। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। पहली सफल कटाई (लगभग 200-250 ग्राम) हुई। इसने यह साबित कर दिया कि वह सीख सकती हैं, ढल सकती हैं और सफल हो सकती हैं।

2020 में दिल्ली के द्वारका में एक बड़ी 250 वर्ग फीट की प्रयोगशाला में शिफ्ट होने के बाद सुमन ने उत्पादन बढ़ाया। बेटे राहुल के शामिल होने से उन्हें ऑपरेशंस और मैनेजमेंट में मदद मिली। ग्राहकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर उन्होंने 2021 में अपने उत्पादों को औपचारिक रूप देने के लिए ऑरेंज हर्ब ब्रांड लॉन्च किया। अब यह ब्रांड प्रति साइकिल 16 से 20 किलो कॉर्डिसेप्स मशरूम का उत्पादन करता है। इससे सालाना 40 लाख रुपये की कमाई होती है।

यूट्यूब वीडियो ने किया प्रेरित

सुमन सुखीजा का जीवन वर्षों तक एक ठेठ भारतीय गृहिणी के जैसा रहा। परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द केंद्रित। हालांकि, जब उनके बच्चे बड़े होकर आत्मनिर्भर हो गए तो अचानक उन्हें लंबे समय का खालीपन महसूस हुआ। 45 साल की उम्र में उन्होंने इस खाली समय को क्रिएटिविटी में बदलने का फैसला किया। वह मानती हैं कि महिलाओं को न केवल पैसे के लिए, बल्कि आत्मविश्वास और गरिमा के लिए कमाना चाहिए। इस विचार ने उन्हें मशरूम की खेती की ओर मोड़ा। वीडियो देखकर उन्होंने इसके बारे में काफी कुछ जाना और सीखा। शुरू में बटन या ऑयस्टर मशरूम में दिलचस्पी रखने वाली सुमन पांच दिन के प्रशिक्षण के दौरान कॉर्डिसेप्स मिलिटैरिस यानी कीड़ा जड़ी से प्रभावित हुईं। यह एक दुर्लभ और औषधीय मशरूम है।

टाटा ग्रुप की कंपनियों के लिए बुरा सपना साबित हुआ 2025 का साल

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 का साल टाटा ग्रुप की कई कंपनियों के लिए अच्छा नहीं रहा है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, ट्रेंट लिमिटेड, दी इंडियन होटल कंपनी लिमिटेड, वोल्टास और तेजस नेटवर्क लिमिटेड के शेयरों में इस साल 60 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। जिसकी वजह से ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को मार्केट कैप 5.5 लाख करोड़ रुपये घट गया है।

इन कंपनियों के शेयरों में उछाल: टाइटन कंपनी लिमिटेड, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और टाटा स्टील के शेयरों की कीमतों में 15 से 25 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। ग्रुप के मार्केट कैप में इन कंपनियों का योगदान 1 लाख करोड़ रुपये का योगदान है।

घटकर कितना हुआ मार्केट कैप

टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप अब घटकर 25.57 लाख करोड़ रुपये हो गया है। 31 दिसंबर 2024 को समूह की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 31.09 लाख करोड़ रुपये रहा था। जोकि 17.76 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। टाटा ग्रुप की धाकड़ कंपनी टीसीएस के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है।

लॉन्च के दिन ही सोल्डआउट, 5,000 करोड़ का बिजनेस

शाहरुख खान के सम्मान में बनाया गया एक प्रीमियम कमर्शियल टॉवर को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दुबई में बॉलीवुड के मेगास्टार शाहरुख खान के सम्मान में बनाया गया एक प्रीमियम कमर्शियल टॉवर को निवेशकों ने हाथोंहाथ लिया है। लॉन्च के पहले दिन ही यह पूरी तरह सोल्डआउट हो गया। शाहरुख़ द्वारा डेन्यूब के लॉन्च के मौके पर खुद शाहरुख खान और डेन्यूब ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन रिजवान साजन मौजूद थे। इस मौके पर साजन ने कहा कि 2.1 बिलियन दिरहम (करीब 5,000 करोड़ रुपये) का यह प्रोजेक्ट लॉन्च के दिन ही पूरी तरह से बिक गया।

दुबई एग्जीबिशन सेंटर, एक्सपो सिटी में हुए लॉन्च में छह हजार से ज्यादा मेहमान शामिल हुए। इनमें यूएई की जानी-मानी हस्तियां, टॉप क्रिएटर्स, बड़े बिजनेसमैन, रियल एस्टेट के बड़े नाम और ग्लोबल मीडिया के लोग शामिल थे। इस मौके पर साजन ने कहा कि शाहरुख़ द्वारा डेन्यूब की रेकॉर्ड तोड़ सफलता हमारे लिए गर्व का पल है। इस जबरदस्त प्रतिक्रिया से साफ पता चलता है कि इस प्रोजेक्ट में बेजोड़

वैल्यू है। इसकी लोकेशन शानदार है, जहां से दुबई की मुख्य जगहों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं और ग्लोबल लग्जरी स्टैंडर्ड्स से प्रेरित शानदार डिजाइन है। इस टॉवर का हर हिस्सा एक अलग लाइफस्टाइल देने के लिए सोचा गया था। यह शेख जायद रोड पर शान से खड़ा होगा और ग्लोबल उद्यमियों, इनोवेटर्स और दूरदर्शी लोगों के लिए एक प्रतिष्ठित पता बनेगा। एक ही छत के नीचे 35 से ज्यादा सुविधाएं होने के कारण, यह टॉवर प्रोफेशनल लाइफ को बेहतर बनाने और काम-जीवन संतुलन को सहज रूप से बढ़ाने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। लॉन्च के मौके पर शाहरुख खान ने कहा, दुबई में इस बड़े पैमाने के प्रोजेक्ट का मेरे नाम पर होना मेरे लिए सम्मान की बात है और यह याद दिलाता है कि कैसे उदारता और दूरदर्शिता एक साथ आ सकती है। दुबई ने हमेशा मुझे गर्मजोशी से अपनाया है - यह एक ऐसा शहर है जो साहस, कल्पना और इस विश्वास पर बना है कि कुछ भी असंभव नहीं है। शाहरुख़ द्वारा डेन्यूब उसी भावना को दर्शाता है। मैं मिस्टर रिजवान साजन और डेन्यूब के साथ जुड़कर आभारी हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जो लगातार सीमाओं को पार करता है और लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करता है। डेन्यूब प्रॉपर्टीज, डेन्यूब ग्रुप की एक सहायक कंपनी है। यह यूएई के प्रमुख प्राइवेट रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है और इस क्षेत्र के ग्राउंडब्रेकिंग 1 प्रतिशत पेमेंट प्लान की प्रणेता है। 1993 में रिजवान साजन द्वारा स्थापित इस कंपनी ने अब तक 41 प्रोजेक्ट लॉन्च किए हैं, जिनमें से 20 सफलतापूर्वक डिलीवर किए।

सिर्फ 13 पैसे के फायदे पर हुई लिस्टिंग, फिर रॉकेट बन गया शेयर

11 प्रतिशत से ज्यादा उछला दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। विद्या वायर्स की शेयर बाजार में सुस्त शुरुआत हुई है। विद्या वायर्स के शेयर बुधवार को बीएसई में सिर्फ 13 पैसे के फायदे के साथ लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर बीएसई में 52.13 रुपये पर लिस्ट हुए। वहीं, एनएसई में विद्या वायर्स के शेयर बिना नफे-नुकसान के फ्लैट 52 रुपये पर लिस्ट हुए। आईपीओ में विद्या वायर्स के शेयर का दाम 52 रुपये था। हालांकि, फ्लैट लिस्टिंग के बाद विद्या वायर्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 3 दिसंबर 2025 को खुला था और यह 5 दिसंबर तक ओपन रहा। विद्या वायर्स के आईपीओ का टोटल साइज 300.01 करोड़ रुपये तक का था।

लिस्टिंग के बाद रॉकेट बन गए शेयर: सधी लिस्टिंग के बाद विद्या वायर्स के शेयर बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 58.48 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, एनएसई में कंपनी के शेयर उछाल के साथ 58.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। विद्या वायर्स का मार्केट कैप 1200 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। कारोबार के दौरान विद्या वायर्स के शेयरों ने बीएसई में 50.09 रुपये के निचले स्तर को भी छुआ।

क्या करती है कंपनी: विद्या वायर्स की शुरुआत साल 1981 में हुई है। विद्या वायर्स कॉपर और एल्युमीनियम वायर्स बनाती है। कंपनी अलग-अलग इंडस्ट्रीज के लिए वाइडिंग और कंडक्टिविटी प्रॉडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। कंपनी के प्रॉडक्ट्स एनर्जी जेनरेशन, इलेक्ट्रिकल सिस्टम्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रेलवे एंड क्लीन एनर्जी जैसे क्रिटिकल एप्लीकेशंस में इस्तेमाल होते हैं। कंपनी ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी का विस्तार करके सालाना 19,680 एमटी कर लिया है और इसके बढ़ाकर 37,680 एमटी करने की योजना है।

नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है ऑडियो इंजीनियरिंग

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

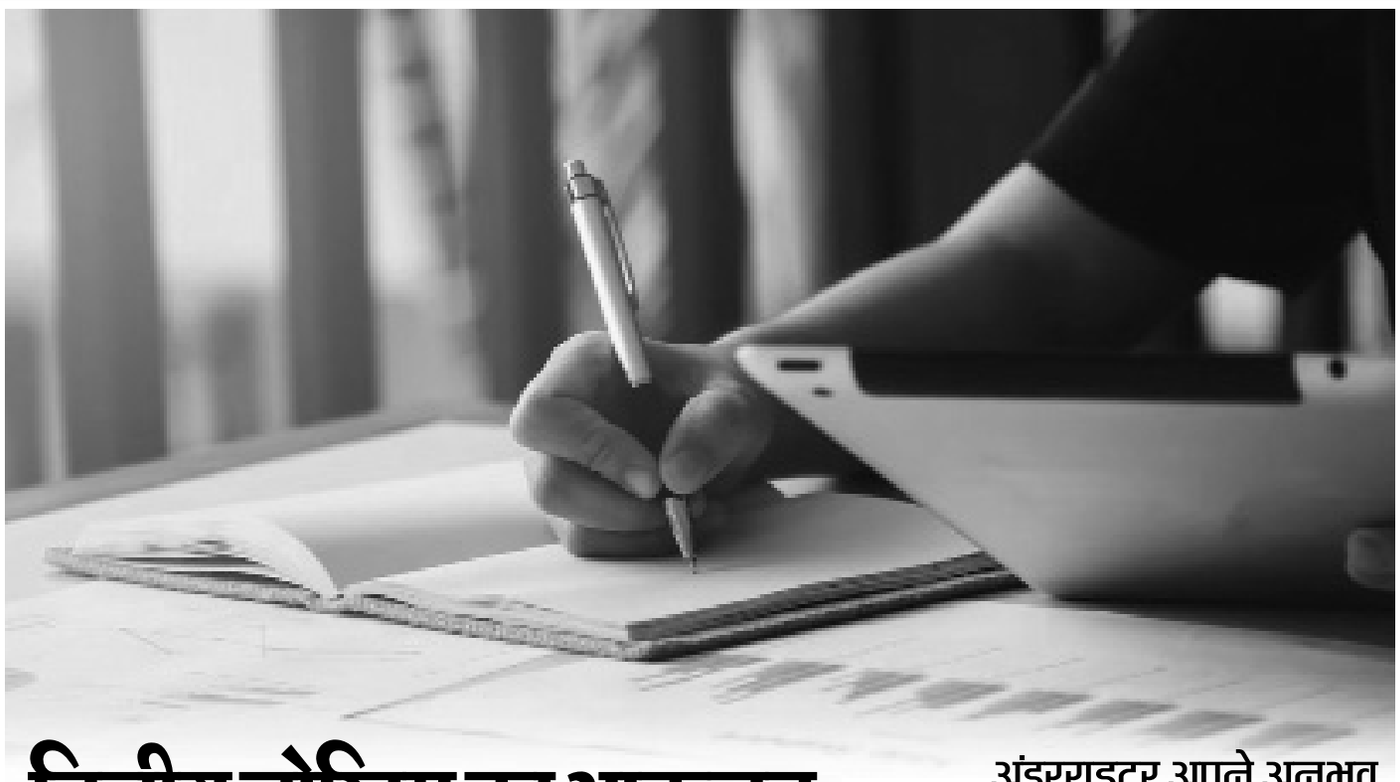

वित्तीय जोखिम का आकलन करते हैं अंडरराइटर

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है।

अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है। नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए। जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

होटल इंडस्ट्री में बनें फ्रंट ऑफिस मैनेजर

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु से लेकर प्रबंधक तक न जाने कितने अवसर हैं जहां से अपने करियर की राहें आसानी से तय कर सकते हैं। यूं तो होटल इंडस्ट्री में प्रबंधक, फ्रंट ऑफिस/रिसेप्शनिस्ट, फूड एंड बेवरेज, हाउसकीपिंग/बुक कीपिंग, काउंटर सर्विस, मार्केटिंग विभाग इत्यादि कई तरह के विभाग हैं लेकिन इनमें फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक अहम विभाग होता है।

फ्रंट ऑफिस

फ्रंट ऑफिस व्यवसाय से जुड़ा शब्द है जो किसी कंपनी के उस विभाग को इंगित करता है जो ग्राहकों के सीधे संपर्क में आता है। इसमें मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस से जुड़े लोग भी शामिल होते हैं। जहां तक होटल इंडस्ट्री का सवाल है तो इसमें फ्रंट ऑफिस होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करता है, उनसे मिलता है, उनका उचित अभिवादन करता है, उनका रिजर्वेशन करता है, उनके चेक इन और चेक आउट की व्यवस्था देखता है, सुरक्षा विभाग व अन्य को चाबियां सौंपता है व वापस लेता है, अतिथियों को संदेश देता है और रुपये पैसे का हिसाब किताब करता है।

कार्य प्रकृति

फ्रंट ऑफिस हर उस काम को करने में तत्पर होता है जिससे ग्राहकों यानी अतिथियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, उन्हें हर तरह से संतुष्ट किया जा सके। होटल के मानकों का पालन करते हुए अपनी सेवा से संतुष्टर करने में फ्रंट ऑफिस अपनी उपयोगिता साबित करता है। इस विभाग के लिए एक प्रबंधक नियुक्त होता है जो फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन को देखता है और पूरे बिजनेस प्लान के अनुसार हर काम व्यवस्थित रखता है। वह सुनिश्चित करता है कि होटल में आने वालों को यथासंभव सबसे अच्छी सर्विस दी जा सके। वह फ्रंट ऑफिस का अगुआ होने के नाते वहां से दी जाने वाली सेवाओं में किसी कोताही की गुंजाइश को खत्म करता है, साफ सफाई का ध्यान रखता है, मुस्कुराते हुए अतिथियों का स्वागत करता है और उन्हें यह अहसास कराने की कोशिश करता है कि वे सही होटल में हैं जहां उनका सबसे अच्छा ख्याल रखा जाएगा।

कोर्स

फ्रंट ऑफिस होटल मैनेजमेंट का एक अहम विभाग है। होटल मैनेजमेंट 12वीं के बाद कर सकते हैं। स्नातक करने के बाद और भी रास्ते खुल जाते हैं। यानी डिग्री, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर डिप्लोमा सभी मौजूद हैं। बेकरी एडं कंफेक्षनरी या होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग या रेस्तरां व काउंटर सर्विस में एक साल का डिप्लोमा, डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, बीएससी इन होटल मैनेजमेंट, एमएससी इन हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन, इसके अलावा पीजी डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, फ्रंट ऑफिस एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, एकोमोडेशन ऑपरेशन जैसे कोर्स प्रचलन में हैं।

कहां कहां है अवसर

होटल मैनेजमेंट पाठयक्रम करने वालों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं जिनमें वे करियर बना सकते हैं। रिसॉर्ट से लेकर फाइव स्टार होटलों तक हर राज्य के पर्यटन विभाग से लेकर एविएशन तक अनगिनत जॉब हैं, फास्ट फूड चेन (मेकडोनाल्ड, केएफसी, निरूलाज), रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में कैटरिंग या कैंटीन, एयरलाइंस, हॉस्पिटल, मॉल, मल्टीप्लेक्स, हेल्थ क्लब जैसी जगहों पर रोजगार पा सकते हैं विदेशों में भी होटल मैनेजमेंट में डिग्री/डिप्लोमा कर चुके छात्रों की खूब डिमांड है। और सबसे अहम यह कि आप यह कोर्स कर स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं।

पुस्तक प्रकाशन में अपार संभावनाएं

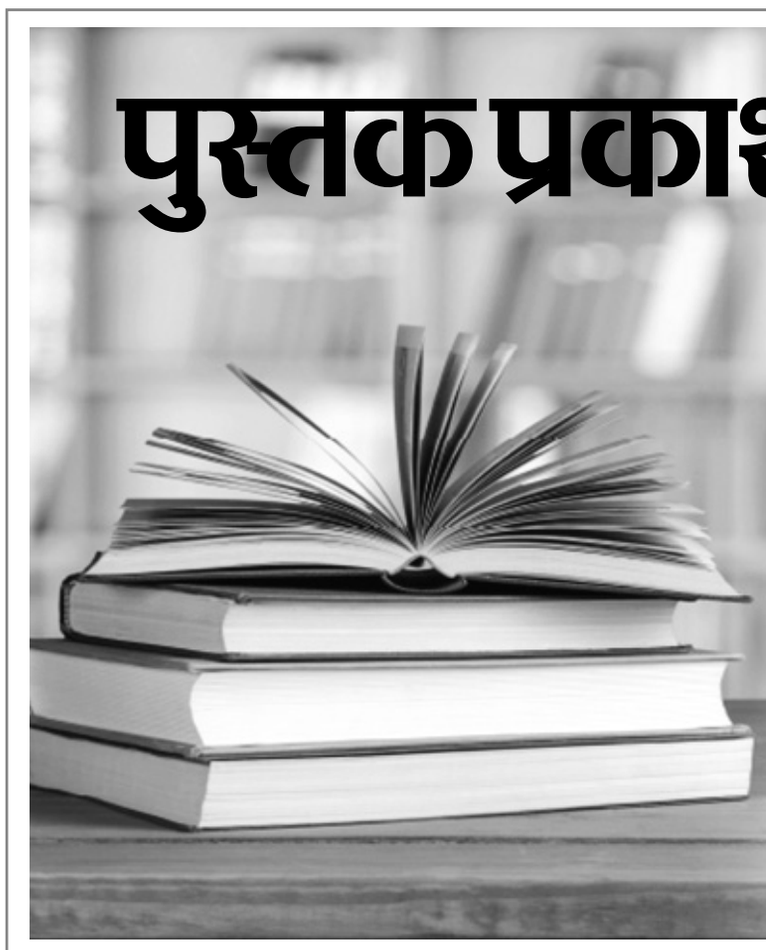

भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री (पुस्तक प्रकाशन) आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुचांने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजाइनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस का होना भी बहुत आवश्यक है।

ऐसा माना जाता है कि दुनिया में इंसान का सबसे अच्छा मित्र पुस्तकें होती हैं। उसे पढक़र वह ज्ञान तो प्राप्त करता ही है लेकिन अपने समय का सदुपयोग भी कर लेता है। इन पुस्तकों को वाचको तक पहुंचाने के लिए आजकल महानगर और शहरों में शापिंग मॉल्स में स्पेश बुक चेन खोल रखा है। इकॉनामी के नॉलेज का बढ़ता क्षेत्र को देखते हुए उन्हें इस व्यवसाय में भी अपार संभावनाएं है। इस व्यवसाय में एक लंबा चैनल कार्यरत है। लेखक पुस्तक तो लिख देता है लेकिन पाठकों तक पहुंचाने में एक लंबी प्रक्रिया काम करती है।

इस व्यवसाय में मुख्य रूप से बुक पब्लिशर, बुक डिजाइनर विक्रेता संम्पादक, पीआर वितरक और वाचक इन सबका समावेश रहता है। एक अच्छा जानकारी बहुत आवश्यक है। भारतीय बुक पब्लिशिंग इंडस्ट्री आज न सिर्फ देश तक समिति रही है बल्कि उसने अंतर्राष्टीय वाचकों तक भी पुस्तकें पहुंचाने का काम बहुत तेजी से किया है। आधुनिक तंत्रज्ञान के कारण आज प्रिटिंग के क्षेत्र में भी एक नई क्रांति ला दी है। जिस प्रकार इस डिजिटल युग में आज नई प्रिटिंग टेक्नालॉजी आ गई है, ठीक उसी प्राकर डिजायनिंग और वांइडिग के क्षेत्र में भी नए-नए आयाम उपलब्ध हैं। अब किसी भी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए मार्केट के ट्रेंड को समझना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए अच्छा बिजनेस स्कील का होना भी बहुत आवश्यक है। इस व्यवसाय में उतरने के लिए यदि आज का युवा आतुर है तो इसके लिए अभ्यासक्रम भी उपलब्ध है। भारत में कुछ संस्थाएं बुक पब्लिशिंग के लिए डिप्लोमा, डिग्री करना पड़ता है इस व्यवसाय की विशालता को देखते हुए शार्ट टर्म कोर्स भी आयोजित किया जाता है। इस क्षेत्र में युवा चाहें तो स्वंय का प्रकाशन व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, या फिर किसी प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्थान में नौकरी भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में हर माह आप सेलेरी के रूप में पन्द्रह हजार से लेकर एक लाख तक कमा सकते हैं। माल्स में भी बुक चेन में अनेक नौकरियां उपलब्ध हो सकती है। आज के इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय की काफी डिमांड है। युवाओं को खासकर ऐसे युवा जो साहित्य में रुचि रखते हैं। जिन्हें पठन-पाठन का शौक है। अवश्य ही इस क्षेत्र को अपनी आजीविका का साधन बनाना चाहिए। मान-सम्मान पैसा सब कुछ हासिल हो सकता है।

किस-किस तरह के कोर्स

इंडस्ट्री में प्रोफेशनल्स और प्रशिक्षित लोगों की जरूरतों को देखते हुए देश के जाने-माने शिक्षण-संस्थानों में इससे संबंधित कोर्स चलाए जा रहे हैं। नेशनल बुक ट्रस्ट देश के कई हिस्सों में बुक पब्लिशिंग के रेगुलर कोर्स करवा रहा है। इग्नू ने एफआईपी के साथ मिल कर बुक पब्लिशिंग में पीजी डिप्लोमा का कोर्स शुरू किया है। कलकत्ता विश्वविद्यालय पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड ऑफ कोलकाता के साथ मिल कर पीजी डिप्लोमा इन बुक पब्लिशिंग स्टडीज कोर्स का संचालन कर रहा है।

योग्यता

पब्लिशिंग से जुड़े ज्यादातर कोर्सेज पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कराए जाते हैं। अगर आप एडमिशन लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपका ग्रेजुएट होना आवश्यक है। जिस तरह से विज्ञापन और क्रिएटिव इंडस्ट्री अपने पांव पसार रही है, उस लिहाज से आने वाले समय में इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन्टरनेट एवं प्लास्टिक केन्द्रित उत्पादों के आ जाने से इस क्षेत्र में प्रतियोगिता नए रूप में आरम्भ हो गई है। प्रकाशक की प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री को ठीक से परखने की जिम्मेदारी है। उसमें यह विश्लेषण क्षमता होनी चाहिए कि जो सामग्री प्रकाशित की जा रही है, वह वर्तमान जरूरतों और भविष्य की संभावनाओं से दो-चार हो सकती है या नहीं।

विजय शंकर आईपीएल 2026 की नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में क्यों हिस्सा लेंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए मिनी-नीलामी 16 दिसंबर को अबुधाबी में होनी है। बीसीसीआई ने नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बोर्ड की सूची के मुताबिक ऑलराउंडर विजय शंकर मिनी नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लेंगे। आप सोच रहे होंगे कि भारतीय टीम के लिए खेल चुके विजय शंकर अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में कैसे हिस्सा लेंगे।

दरअसल, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के नियम के मुताबिक अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने टीम इंडिया के लिए पिछले पांच साल में किसी भी फॉर्मेट में एक भी मैच नहीं खेला है, तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाएगा और वह नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेगा। इसी नियम के तहत विजय शंकर नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में उतरेंगे। भारतीय टीम के लिए 12 वनडे और 9 टी20 खेल चुके विजय शंकर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 27 जून 2019 को खेला था। यह मैच पांच साल पहले खेला गया था। ऐसे में बीसीसीआई का अनकैप्ड वाला नियम विजय शंकर पर लागू होता है। विजय शंकर पिछले सीजन सीएसके का हिस्सा थे। चेन्नई ने उन्हें पिछले साल मेगा ऑक्शन में 1.2 करोड़ रुपये में साइन किया था। विजय का प्रदर्शन साधारण रहा था। पांच पारियों में वह केवल 118 रन बना पाए। सीएसके मिनी नीलामी में नई टीम बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से सीएसके ने विजय को रिटेन नहीं किया। देखना होगा कि नीलामी में यह ऑलराउंडर किस टीम के साथ जुड़ता है। इसी नियम के तहत पिछले सीजन सीएसके ने एमएस धोनी को भी रिटेन किया था। 2014 से आईपीएल खेल रहे विजय शंकर अब तक 78 मैचों में 7 अर्धशतक की मदद से 1,233 रन बना चुके हैं। उनका शीर्ष स्कोर नाबाद 69 रहा है। 2023 उनका श्रेष्ठ सीजन रहा था। गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहते हुए 14 मैचों में उन्होंने 301 रन बनाए थे। विजय 9 विकेट भी ले चुके हैं।

इंडिया-दक्षिण अफ्रीका टी-20

संजू सैमसन बाहर; दूसरे टी20 के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

अभिषेक और गिल ही रहेंगे ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला अब 11 दिसंबर गुरुवार को न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर में खेला जाएगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद 101 रन से शानदार जीत दर्ज कर ली। सीरीज में टीम इंडिया 1-0 की बढ़त बना चुकी है। ऐसे में दूसरे मुकाबले में प्लेइंग 11 में कुछ खास बदलाव नजर नहीं आ रहे हैं। पहले टी20 में भारतीय टीम की पारी शुरु में बिखरती दिख रही थी। 11.4 ओवर में 78 रन पर चार विकेट थे। स्कोर भी धीमा था और विकेट भी ज्यादा थे। उसके बाद हार्दिक पंड्या की 28 गेंद पर 59 रन की पारी ने मैच की तस्वीर बदल दी। भारत ने 176 रन का अफ्रीका को लक्ष्य दिया और मेहमान टीम 74 रन पर ही ढेर हो गई।

संजू सैमसन रहेंगे बाहर?

हालांकि जीत के बावजूद पहले टी20 मैच में शुभमन गिल एक बार फिर से फ्लाप रहे थे और सवाल यही उठ रहा था कि बार-बार उनके कारण संजू सैमसन को क्यों बलि का बकरा बनाया जा रहा है। क्योंकि, संजू सैमसन का बतौर ओपनर टी20 इंटरनेशनल में बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अब जितेश शर्मा के बेहतर फिनिशर के तौर पर उभरने के बाद बतौर विकेटकीपर भी सैमसन की जगह प्लेइंग 11 में नहीं बन पा रही है। दूसरे टी20 में भी कप्तान सूर्यकुमार यादव अपने विनिंग कॉम्बिनेशन को शायद छेड़ना नहीं चाहेंगे। यानी इस मैच में भी संजू सैमसन का खेलना मुश्किल लग रहा है। वहीं ओपनिंग एक बार फिर से अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल करते हुए नजर आएंगे। बाकी नंबर 3, 4, 5,6 में खास बदलाव संभव नहीं लग रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया न्यू चंडीगढ़ में बिना किसी बदलाव के उतर सकती है।

जमशेदपुर में पहली बार ट्रांसजेंडर फुटबॉल लीग का आयोजन

कोलकाता दौड़ में 23000 धावक भाग लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय फुटबॉल में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के तहत सात ट्रांसजेंडर टीमों ने जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) के तहत रविवार को एक विशेष टूर्नामेंट की शुरुआत की। जमशेदपुर एफटी, चाईबासा एफसी, चक्रधरपुर एफसी, जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी, नोआमुंडी एफसी, सरायकेला एफसी और कोल्हान टाइगर एफसी की पांच-पांच खिलाड़ियों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं।

शुरुआत में ट्रांसजेंडर्स लीग में केवल चार टीमें ही प्रतिस्पर्धा करने वाली थीं, लेकिन बाद में तीन और टीमें इसमें शामिल कर ली गईं। यह टूर्नामेंट जमशेदपुर सुपर लीग का एक हिस्सा है, जिसमें आयु-वर्ग लीग जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी होती हैं। जमशेदपुर एफटी ने ट्रांसजेंडर लीग के शुरुआती दिन उद्घाटन मैच में चाईबासा एफसी को 7-0 से जबकि कोल्हान टाइगर एफसी ने चक्रधरपुर एफसी को 3-0 से हराया। जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी और नोआमुंडी एफसी के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ खेला गया। जमशेदपुर एफटी के लिए चार गोल करने वाली पूजा सोय ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर खुद की पहचान बनने पर खुशी जताते हुए ने कहा, ''फुटबॉल एक बहुत ही खूबसूरत खेल है। पहली बार मुझे ऐसा लगा कि मुझे मेरे लिंग के लिए नहीं बल्कि मेरे खेल के लिए देखा जा रहा है।'' इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास आयोजित मैराथन में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया- जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को सेना द्वारा आयोजित की गई मैराथन में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। भीमबेर गली ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर राहुल कुमार ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और युवाओं को फिटनेस को जीवन शैली के रूप में अपनाने और सशस्त्र बलों में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

कोलकाता दौड़ में ओलंपिक और विश्व चैंपियन सहित 23000 धावक भाग लेंगे

दो बार के ओलंपिक और तीन बार के विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी सहित दुनिया भर के 23000 से अधिक धावक 21 दिसंबर को यहां होने वाली 10वीं टाटा स्टील वर्ल्ड 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता दौड़ में भाग लेंगे। युगांडा के चेप्टेगी और महिला वर्ग में गत चैंपियन सुतूम असेफा केबेडे इस दौड़ का मुख्य आकर्षण होंगे जिसे विश्व एथलेटिक्स की तरफ से गोल्ड लेबल रोड रेस का दर्जा हासिल है।

प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने भी इस बार 1:11:08 (एक घंटा, 11 मिनट, 08 सेकंड) का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले किसी भी एथलीट को 25,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की घोषणा की है। इस दौड़ की कुल पुरस्कार राशि 142,214 डॉलर है, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं के लिए बराबर की पुरस्कार राशि रखी गई है। शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 15,000 डॉलर, 10,000 डॉलर और 7,000 डॉलर का इनाम मिलेगा। प्रतियोगिता का नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ियों को 5,000 डॉलर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। चेप्टेगी (29 वर्ष) ने 10,000 मीटर में लगातार तीन विश्व खिताब जीते हैं और उनके नाम चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं।

पिछले वर्ष दिल्ली हाफ मैराथन और इस वर्ष बेंगलुरु में आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के (10किमी) के विजेता चेप्टेगी के नाम पर अब भी 5000 किमी और 10000 किमी के विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। पुरुषों की सूची में एक और महत्वपूर्ण खिलाड़ी तंजानिया के अल्फोंस फेलिक्स सिम्बू भी शामिल हैं। सितंबर में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में मैराथन में जीत हासिल करने वाले सिम्बू कोलकाता में चेप्टेगी को कड़ी चुनौती देंगे। महिला वर्ग में इथियोपिया की स्टार सुतूम असेफा केबेडे ने पहली बार 2015 में बर्लिन में 25 किलोमीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। वह यहां खिताबी हैट्रिक पूरी करने की कोशिश करेगी।

आईपीएल 2025 ऑक्शन

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब इस छोटे खिलाड़ी की ऑक्शन में एंट्री, इतनी कम है उम्र

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन में बिकने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी है. वैभव सूर्यवंशी को पिछले सीजन के ऑक्शन में बिके थे. अब उनके बाद आईपीएल 2026 के ऑक्शन में भी एक खिलाड़ी ऐसा है, जिसकी उम्र कोई ज्यादा नहीं है. बल्कि, वो आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी है. हम जिस खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, उसका नाम वहीदुल्लाह जादरान है.

अफगानिस्तान का ये क्रिकेटर 16 दिसंबर 2025 को होने वाले आईपीएल ऑक्शन में सबसे युवा चेहरा होगा.

आईपीएल 2026 ऑक्शन का सबसे छोटा खिलाड़ी- अब सवाल है कि वहीदुल्लाह जादरान की उम्र आखिर कितनी कम है, जिसके चलते वो ऑक्शन में एंट्री लेने वाले 350 खिलाड़ियों के बीच सबसे युवा हैं? अफगानिस्तान से आने वाले वहीदुल्लाह जादरान की उम्र 18 साल से थोड़ी ही ज्यादा है. आईपीएल 2026 के ऑक्शन वाले दिन वो बस 18 साल और 31 दिन के होंगे. इस उम्र के साथ वो ऑक्शन में भाग ले रहे खिलाड़ियों के बीच सबसे यंग होंगे.

19 टी20 मुकाबलों में झटके हैं 28 विकेट- वहीदुल्लाह जादरान दाएं हाथ के स्पिनर हैं और आईपीएल ऑक्शन में उतरने से पहले उनके पास 19 टी20 खेलने का तजुर्बा है, जिसमें उन्होंने 28 विकेट चटकाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट परफॉर्मेन्स 22 रन पर 4 विकेट लेने का है. वहीदुल्लाह जादरान के पास आईपीएल 2026 के ऑक्शन में एंट्री लेने से पहले आईएलटी टी20 में खेलने का भी अनुभव है. वहीदुल्लाह जादरान ने आईपीएल ऑक्शन में अपनी बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखी है.

शतरंज ग्रैंड स्लैम

पहले दिन छा गए सिंदारोव और अर्जुन दोनों नें कार्लसन को दी मात

कैपटाउन, एजेंसी। अफ्रीका महाद्वीप में पहली बार विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के बीच फ़्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम का मुकाबला खेला जा रहा है और पहले दिन तय कार्यक्रम के अनुसार राउंड रॉबिन आधार पर खेले गए रैपिड मुकाबलों के सात चरण के बाद अभी अभी गोवा में विश्व कप जीतने वाले जावोखीर सिंदारोव और भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी नें लाजबाब प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 3 में अपनी जगह बना ली है । पहले स्थान पर रहे सिंदारोव : विश्व कप 2025 गोवा के विजेता 19 वर्षीय सिंदारोव जावोखीर का कॉन्फ़िडेंस देखने लायक था और उन्होंने पहले ही राउंड में कार्लसन को मात देते अपना अभियान आरम्भ किया उन्होंने सिर्फ़ भारत के अर्जुन एरिगैसी , जर्मनी के विंसेन्ट केमर और यूएसए के लेवान अरोनियन से ड्रा खेला और बाक़ी तीन बाजियों में जीत दर्ज की । सिंदारोव नें 5.5 अंक बनाकर पहला और लेवान अरोनियन नें 5 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया वहीं अभी अभी येरुशलम मास्टर्स जीतने वाले अर्जुन नें शुरुआत तो अच्छी नहीं की और यूएसए के नीमन हंस से ड्रा , लेवान अरोनियन से हार और सिंदरोव से ड्रा के बाद वह तीन राउंड के बाद एक अंक पर थे पर उसके बाद उन्होंने लगातार तीन बाजियों में विंसेन्ट केमर , मैग्नस कार्लसन और ईरान के परहम मघसदूलू को पराजित करते हुए बेहतरीन वापसी की और अंतिम राउंड कारूआना से ड्रा खेलते हुए दिन का अंत 4.5 अंक बनकर तीसरे स्थान पर किया ।

मुंबई रैंप वॉक में साथ चलेंगे मेसी-सुआरेज

कोलकाता, एजेंसी। अर्जेंटीना के अनुभवी फुटबॉलर लियोनल मेसी के भारत दौरे की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। मेसी का दौरा कोलकाता से शुरू होगा और वह मुंबई, हैदराबाद और नई दिल्ली भी जाएंगे। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी इस महीने भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी इस दौरान धर्मार्थ कार्य के लिए मुंबई में रैंप वॉक करेंगे। उनके साथ जोड़ीदार लुइ सुआरेज भी इसमें हिस्सा लेंगे। रैंप वॉक के आयोजकों ने उनसे 2022 फीफा विश्व कप जीत की कुछ खास यादगार चीजें नीलामी के लिए लाने को कहा है। जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर 2025 के प्रमोटेर सतादरू दत्ता ने मंगलवार को बताया कि मेसी, सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल 14 दिसंबर की रात 45 मिनट के फैशन से जुड़े शो में हिस्सा लेंगे।

मेसी की प्रतिमा का होगा अनावरण

कोलकाता चरण में मेस की अब तक की सबसे बड़ी 70 फीट की प्रतिमा का अनावरण सुरक्षा कारणों से टीम होटल से वर्चुअली किया जाएगा। आठ बार के बेलोन डिओर विजेता मेसी अनावरण के लिए पहले स्वयं श्रीभूमि जाने वाले थे। कोलकाता पुलिस के सूत्र ने पुष्टि की है कि मेसी शनिवार तड़के डेढ़ बजे शहर में पहुंचेंगे और ईएम बाईपास पर एक पांच सितारा होटल में रुकेंगे। प्रायोजकों के लिए विशेष मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ से साढ़े 10 बजे तक बजे तक चलेगा। दुर्गा पूजा सत्र के लिए तैयार किया गया मेस्सी का 25 गुणा 20 फीट का भित्ति चित्र भी सॉल्ट लेक स्टेडियम में इस दिग्गज को सौंपा जाएगा। कोलकाता में होने वाले कार्यक्रम में 70 हजार से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।

वानखेड़े स्टेडियम में होगा कार्यक्रम

दत्ता ने बताया कि यह धर्मार्थ फैशन शो होगा। इसके अलावा सुआरेज म्यूजिक शो का भी हिस्सा होंगे जबकि आयोजकों ने मेसी से औपचारिक रूप से आग्रह किया है कि वह दौरे के मुंबई चरण के दौरान नीलामी के लिए 2022 विश्व कप की कुछ यागदार चीजें लेकर आएं। मुंबई में कार्यक्रम शाम पांच बजे वानखेड़े स्टेडियम में शुरू होगा, जबकि इससे पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में साढ़े तीन बजे से पेडल कप होगा।

विश्व कप की यादगार चीजें नीलामी के लिए मांगी

नई दिल्ली में पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

मीट-एंड-ग्रीट कार्यक्रम के बाद मेसी सॉल्ट लेक स्टेडियम जाएंगे और दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद आयोजकों ने हैदराबाद को दौरे में शामिल किया है। मेसी शाम सात बजे हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हैदराबाद जीओएटी कप के दौरान मौजूदगी रहेंगे जिसे तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का समर्थन हासिल है। मेस्सी सोमवार को नई दिल्ली मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलेंगे। मेसी के नई दिल्ली यात्रा के दौरान नौ सदस्यीय सेलीब्रिटी मैच भी होगा। वर्ष 2011 के बाद पहली बार भारत आ रहे मेसी के दौरे को 15 अगस्त को स्वीकृति मिली थी।

पहला टी20: वापसी के साथ पंड्या का तूफान

भारत ने साउथ अफ्रीका को 101 रन से रौंदा

कटक, एजेंसी। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ बाराबती स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को 101 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट खोकर 175 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अभिषेक शर्मा ने तिलक वर्मा के साथ टीम को संभाला। अभिषेक ने 17 रन, जबकि तिलक वर्मा ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। हार्दिक पंड्या छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे।

उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन बनाए। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। पंड्या श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप 2025 के दौरान चोटिल हुए थे, जिसके बाद वह इस मुकाबले में पहली बार टीम इंडिया की ओर से खेलते नजर आए।

विपक्षी टीम की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि लुथो सिपामला ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, डोनोवन फेरीरा ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 12.3 ओवरों में महज 74 रन पर सिमट गई।

जसप्रीत बुमराह ने 'शतक' के साथ रचा इतिहास, किसी भारतीय गेंदबाज ने नहीं किया ऐसा; वर्ल्ड रिकॉर्ड की खास लिस्ट में एंट्री

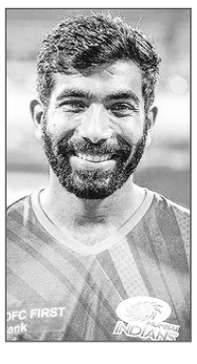

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कटक में खेले पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 101 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की। इस जीत में 3 ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लेते हुए जसप्रीत बुमराह ने भी अहम योगदान दिया। इस पारी में दो विकेट लेकर बुमराह ने अपने 100 टी20 इंटरनेशनल विकेट भी पूरे कर लिए। इतना ही नहीं वह तीनों फॉर्मेट में विकेटों का शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बने। जसप्रीत बुमराह ने वो कारनामा किया है जो इससे पहले कोई भी भारतीय गेंदबाज अपने करियर में नहीं कर पाए। टी20 इंटरनेशनल में वह अर्शदीप सिंह (107) के बाद अब 100 विकेट लेकर दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय बन गए हैं। जस्सी के नाम अभी तक टेस्ट में भी 234 और वनडे क्रिकेट में 149 विकेट दर्ज हैं। यानी तीनों फॉर्मेट में वह 100 विकेटों का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

न्यूज डायरी

हरियाणा में आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 कर्मचारियों की अनुबंध अवधि बढ़ी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-2 के अंतर्गत स्वीकृत पदों के समक्ष विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों तथा सार्वजनिक उपक्रमों में लगे कर्मचारियों की अनुबंध अवधि 31 मार्च, 2026 (4 माह) तक अथवा सिक्योरिटी ऑफ सर्विस एक्ट, 2024 का पोर्टल क्रियाशील होने तक (जो भी पहले हो) बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में जारी एक पत्र में कहा गया है कि इससे पहले इन कर्मचारियों की अनुबंध अवधि 30 नवंबर, 2025 तक बढ़ाई गई थी। इस संबंध में हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) द्वारा 25 मार्च, 2025 को जारी ज्ञापन में दी गई शर्तों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण में हरियाणा की तेज़ प्रगति — 95 लाख रिकॉड्र्स का मिलान पूर्ण

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री ए. श्रीनिवास ने बताया कि भारत चुनाव आयोग के दिशानिर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। अब तक लगभग 95 लाख मतदाताओं का मिलान वर्ष 2002 की अंतिम विशेष गहन पुनरीक्षण सूची से किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई मतदाता स्वयं या अपने परिवार/रिश्तेदारों के विवरण को वर्तमान विधानसभा क्षेत्र की वर्ष 2002 की सूची से मिलान करना चाहता है, तो आयोग की वेबसाइट http://www.eci.gov.in/ पर उपलब्ध "Search Your Name in Last SIR" विकल्प के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकता है।

श्री ए. श्रीनिवास ने जिलावार अब तक किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अब तक फतेहाबाद में सर्वाधिक 65.14 प्रतिशत, महेंद्रगढ़ में 64.27 प्रतिशत, सिरसा में 62.65 प्रतिशत, पंचकूला में 30.77 प्रतिशत, फरीदाबाद में 21.06 प्रतिशत तथा गुड़गाव में 15.29 प्रतिशत मिलान किया जा चुका है।

उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि अपनी सही सूचना अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों को दें। वर्तमान में बूथ लेवल अधिकारी घर—घर जाकर मिलान कार्य कर रहे हैं।

हरियाणा सरकार के विभागाध्यक्षों को निर्देश

एचकेआरएन कर्मियों की पारिवारिक आय पीपीपी पोर्टल पर करें अपडेट

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने सभी विभागों, बोर्डों, निगमों एवं सार्वजनिक उपक्रमों को निर्देश दिए हैं कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएन) के माध्यम से तैनात अनुबंध कर्मचारियों की सालाना पारिवारिक आय का विवरण परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपडेट कराया जाए।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि ये निर्देश

अनुबंध कर्मियों की नियुक्ति नीति, 2022 की निरंतरता में जारी किए गए हैं, जिसके तहत मैनपावर तैनाती हेतु नियोजित व्यक्तियों के पीपीपी ब्यौरे का पूर्ण एवं अद्यतन होना अनिवार्य है। पारिवारिक आय विवरण के अद्यतन न होने से सर्विस रिकॉर्ड में विसंगतियां उत्पन्न हो रही हैं तथा प्रशासनिक मामलों के निपटारे में अनावश्यक विलंब हो रहा है।

पत्र में के अनुसार, सरकार ने इस बात का कड़ा संज्ञान लिया है कि 17 अगस्त, 2019 से 31 दिसंबर, 2021 के बीच विभिन्न विभागों में ज्वाइन करने वाले व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में अपना पीपीपी विवरण, विशेषकर पारिवारिक आय की स्थिति, अब तक अपडेट नहीं की है। इसके बावजूद एचकेआरएनएल के माध्यम से उन्हें नियमित रूप से वेतन का भुगतान किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने अब निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अनुबंध कर्मचारी बिना किसी विलंब के पीपीपी पोर्टल पर अपनी पारिवारिक आय का विवरण अपडेट करें। साथ ही विभागों, बोर्डों एवं निगमों को अपने स्तर पर अनुपालन की विधिवत जांच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पैक्स किसानों के बकाया ऋण निपटान के लिए की एकमुश्त निपटान योजना की घोषणा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) से जुड़े किसानों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए बकाया अतिदेय ऋणों के निपटान के लिए एकमुश्त निपटान योजना की घोषणा की। यह योजना 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगी। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री बुधवार को सिविल सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में बजट सत्र 2025-26 में किसानों की पैक्स की तरफ बकाया अतिदेय ऋण के निपटान हेतु योजना लाने की घोषणा की थी। इसी के अनुरूप आज यह योजना लाई गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पैक्स से ऋण लेने वाले किसान यदि अपने ऋण की मूल राशि समिति के खातों में जमा करवाते हैं, तो उनका पूरा बकाया ब्याज माफ किया जाएगा। इस योजना के तहत राज्य के 6,81,182 किसानों व गरीब मजदूरों का 2,266 करोड़ रुपये का ब्याज माफ किया जाएगा।

आयुर्वेद महोत्सव 2025 समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक टर्निंग प्वाइंट साबित होगा : वैद्य राकेश शर्मा

महासम्मेलन से आयुर्वेद के वैज्ञानिक विकास को नई दिशा मिलेगी : डॉ. ऋषभ दीक्षित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आमजन के मन में आयुर्वेद के बारे में काफी भ्रांतियां हैं। पंचकूला में आगामी 12 दिसंबर से आयोजित होने जा रहे विशाल आयुर्वेद महोत्सव 2025 में इन सभी भ्रांतियों का निवारण एवं निदान किया जाएगा। ये कहना था सम्मेलन के संरक्षक वैद्य राकेश शर्मा का, जो आज एक प्रेस वार्ता में पत्रकारों से मुखातिब थे।

सेक्टर 31 स्थित सीआईआई मुख्यालय में आयोजित इस प्रेस वार्ता में वैद्य राकेश शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद महोत्सव 2025 समग्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक टर्निंग प्वाइंट साबित होगा, क्योंकि इसमें देश के प्रख्यात आयुर्वेदाचार्यों सहित

6 हजार से अधिक आयुर्वेद चिकित्सक और आयुर्वेद औषध निर्माता शामिल होंगे। ये मंच सभी भ्रामक दुष्प्रचार का तोड़ प्रस्तुत करेगा।

भारतीय आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा विरासत और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति को समर्पित इस सम्मेलन के मार्गदर्शक डॉ. संजीव गोयल तथा आयोजन अध्यक्ष डॉ. ऋषभ दीक्षित ने बताया कि यह महोत्सव न केवल आयुर्वेद के वैज्ञानिक विकास को नई दिशा देगा, बल्कि जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में इसके उपयोग को भी सुदृढ़ बनाएगा।

आयोजकों ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि गैर लाभकारी संस्था आयुर वैद्य एजुहेल्थ फाउंडेशन द्वारा पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में 12 से 14 दिसंबर तक आयुर्वेद महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सा, स्वास्थ्य संरक्षण, योग और औषधीय पौधों पर आधारित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित होंगी। प्रदर्शनी, स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ व्याख्यान और जागरूकता सत्र महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेंगे। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल अशीम कुमार घोष, केंद्रीय मंत्री, आयुष विभाग, के. प्रताप राव जाधव, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी तथा मुख्यमंत्री हरियाणा के राजनीतिक सचिव तरूण भंडारी मुख्य अतिथियों के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में देश भर से 4000 आयुर्वेद चिकित्सक और 50 से अधिक देश के प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य शामिल होंगे। साथ ही 100 से अधिक आयुर्वेद औषध निर्माता भी भाग लेंगे, जो निःशुल्क औषधि वितरण भी करेंगे।

यह राष्ट्रीय आयोजन देशभर के आयुर्वेद चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों के लिए एक अद्वितीय मंच बनेगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से लगभग चार हज़ार प्रतिभागी उपस्थित रहेंगे। वैद्य राकेश शर्मा ने बताया कि इस महा सम्मेलन में राज्य की आयुष मंत्री सुश्री आरती सिंह राव भी महोत्सव की शोभा बढ़ाएँगी। महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक प्रो़फेसर पी. के. प्रजापति, चंडीगढ़ के सीआईआई अध्यक्ष ल तरनजीत सिंह भामरा तथा निशान्त मेहरा (विशेष कार्याधिकारी, आयुष मंत्री, भारत सरकार), प्राध्यापक महेश कुमार दधीच, सुश्री संतोष नौटियाल, डॉ. तन्मय गोस्वामी, श्रीमती रुचि श्रीवास्तव, अजीत पाल सिंह, विक्रम बैद्यनाथ उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान करेंगे।

इनके अनुभव और मार्गदर्शन से आयुर्वेद के प्रशासनिक, औषधीय, अनुसंधानात्मक तथा नीति–निर्माण से जुड़े विषयों को सशक्त दिशा मिलेगी। महोत्सव में सौ से अधिक आयुर्वेदिक औषधि निर्माता संस्थान सहभागिता कर रहे हैं, जो अपनी नवीन औषधियों, वनौषधियों, अनुसंधान और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। आम जनता के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, तथा विविध स्वास्थ्य–जाँच और परामर्श शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे समाज के व्यापक वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

- **समारोह में हरियाणा के राज्यपाल अशीम कुमार घोष, केंद्रीय मंत्री, आयुष विभाग, के. प्रताप राव जाधव, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी तथा मुख्यमंत्री हरियाणा के राजनीतिक सचिव तरूण भंडारी मुख्य अतिथियों के रूप में शामिल होंगे**

स्वास्थ्य मंत्री ने फिर डॉक्टरों से हड़ताल से लौटने की अपील की

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (HCMSA) की लंबित एवं वाजिब मांगों के समाधान के लिए सरकार चर्चा और संवाद के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने एसोसिएशन के सभी डॉक्टरों से अपील की कि वे जनहित को देखते हुए जल्द से जल्द अपनी ड्यूटी जॉइन करें और तुरंत हड़ताल वापस लें। एसोसिएशन के सभी मुद्दे सरकार के विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्तमान स्थिति का गंभीरता से संज्ञान लिया है और आम जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने तथा राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाले सभी मरीजों को निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं। इस संबंध में विभिन्न विभागों जैसे नेशनल हेल्थ मिशन, मेडिकल एजुकेशन एवं रिसर्च विभाग, आयुष विभाग, आयुष्मान भारत, श्रम/ईएसआई विभाग, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आदि के साथ अंतर-विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में सुचारू और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ/डॉक्टरों को ड्यूटी सौंपी गई है। डॉक्टरों की हड़ताल को देखते हुए गत 9 दिसंबर को सरकार द्वारा कुल 2543 वैकल्पिक डॉक्टरों की व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग 456 डॉक्टर डीएमईआर से, 424 आयुष विभाग से, 67 ईएसआई से, 50 आयुष्मान भारत पैनल अस्पतालों से और 639 एनएचएम से हैं, जिन्होंने राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

राज्य में प्रगति समीक्षा विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा- मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी कहा कि प्रगति समीक्षा कार्यक्रम के 10 साल पूरे होने पर प्रदेश भर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसमें राज्य में पूरे हुए प्रोजैक्ट एवं सामाजिक कार्यक्रमों की पूरी जानकारी जनता को उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री प्रगति कार्यक्रम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनवरी 2014 में चलाया था जिसके तहत सामाजिक कार्यक्रमों के अलावा अधिकांश विभागों के बड़े-बड़े प्रोजैक्ट की विस्तार से समीक्षा की जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएनडीटी एक्ट को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने और शिक्षा विभाग में ड्रॉपआउट को रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। इनमें किसी प्रकार की लापरवाही और कोताही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि पीएनडीटी एक्ट के तहत सख्त कार्यवाई की जानी चाहिए और ड्रॉपआउट के कारणों की भी गहराई से जांच एवं मोनिटरिंग की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेक्टर 78 फरीदाबाद में एचएसवीपी द्वारा इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाया जा रहा है जिसे फरवरी 2027 में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुरूग्राम में भी विश्व स्तर का इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर बनाया जाए ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं सुलभ हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेवाडी में बनने वाले एम्स में पावर सप्लाई और पेयजल सप्लाई के लिए किए जाने वाले कार्य में तेजी लाई जाए। पावर सप्लाई का कार्य सितम्बर 2026 तथा पेयजल सप्लाई का कार्य दिवाना डिस्ट्रीब्यूटरी के माध्यम से मार्च 2027 में पूरा कर सुलभ करवा दिया जाएगा। इससे पहले पाली में टयूबवैल लगाकर अस्थाई पेयजल व्यवस्था भी अप्रैल 2026 में शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा फरीदाबाद, पानीपत, यमुनानगर, कैथल, जीन्द, भिवानी, महेन्द्रगढ के स्वास्थ्य संस्थानों में भी जल्द ही पेयजल व इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी कार्य पूरे कर लिए जाएगें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हुडा सिटी सेंटर से साईबर सिटी गुरूग्राम की मेट्रो कनेक्टिविटी, सरायकाले खां से बावल रेपिट रेल प्रोजैक्ट का कार्य भी आगामी वर्ष में शुरू कर दिया जाएगा। इसी प्रकार गुरूग्राम में वाटिका चैक सोहना रोड से क्लोवरलीफ एनएच 48 तक मास्टर ड्रेन का निर्माण कार्य मई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। गुरूग्राम के धनवापुर में 100 एमएलडी का सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट के निर्माण के लिए टैण्डर लगा दिए गए है। इनके बन जाने से गुरूग्राम में बरसाती पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद में बेहतर पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए 12 रेनीवेल टयूबवैल लगाए जा रहे हैं जिनमें से आधे जून 2026 तक पूरे कर लिए जाएगें तथा शेष रेनीवेल टयूबवैल आगामी गर्मी के मौसम से पहले लगा दिए जाएंगे।

हरियाणा पुलिस के प्रयासों से सड़क हादसों में कमी, नवंबर माह में दुर्घटनाएं घटीं

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर निरंतर किए जा रहे प्रभावी प्रयासों का सकारात्मक असर देखने को मिला है। राज्य में नवंबर 2025 के दौरान सड़क हादसों, मृतकों और घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

नवंबर में सड़क हादसे, सड़क दुर्घटनाओं से मौतें और घायलो की संख्या घटी

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, ट्रैफिक एवं हाईवे, हरियाणा, करनाल श्री हरदीप दून द्वारा पुलिस महानिदेशक, हरियाणा को भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2025 में राज्य में कुल 867 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि अक्टूबर 2025 में यह संख्या 994 थी। इसी प्रकार, मृतकों की संख्या 408 से घटकर 384 और घायलों की संख्या 1084 से घटकर 1016 हो गई।

योजनाबद्ध कार्रवाई और जागरूकता से मिली सफलता

यह कमी हरियाणा पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में की गई योजनाबद्ध कार्रवाई, जागरूकता अभियानों और नियमित इंफोर्समेंट प्रयासों का परिणाम है। राज्यभर में 11 नवंबर से 25 नवंबर तक पुलिस ने ब्लैक स्पॉट्स की पहचान, सड़कों पर अवैध कटों की जांच, चालान, नशे में वाहन चलाने और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई सहित विभिन्न गतिविधियां चलाईं गई।

डीजीपी के निर्देशों पर हुई प्रभावी कार्रवाई, सड़क हादसों में आई कमी

डीजीपी हरियाणा श्री ओ.पी. सिंह द्वारा लगभग एक माह पूर्व जारी किए गए निर्देशों के अनुपालन में राज्यभर में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई है। डीजीपी ने सभी पुलिस अधिकारियों, एसएचओ और ट्रैफिक शाखा के कर्मियों को यह निर्देश दिए थे कि सड़क हादसों को "मानव निर्मित आपदा" मानते हुए इन्हें रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने आदेश दिया था कि प्रत्येक थाना/चौकी प्रभारी अपने क्षेत्र में ब्लैक स्पॉट्स, एक्सीडेंट-प्रोन क्षेत्रों और ओवरस्पीडिंग के कारणों की पहचान करें तथा आवश्यक सुधार कार्य तत्काल कराएं। साथ ही, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई और रात्रि के समय हाईवे पर गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए थे। इन निर्देशों के बाद प्रदेशभर की ट्रैफिक इकाइयों ने न केवल इन बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई की बल्कि सड़क पर खड़ी खराब या दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों के आगे रिफ्लेक्टर टेप या चेतावनी संकेत लगाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई, ताकि अन्य वाहन चालक समय रहते सतर्क रह सकें। इन निर्देशों के प्रभाव से ही नवंबर माह में सड़क हादसों, मृतकों और घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता: हरियाणा पुलिस का विशेष अभियान

हरियाणा पुलिस ने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 11 से 25 नवंबर तक एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने न केवल यातायात को सुगम बनाया बल्कि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम भी उठाए। सड़कों का गहन निरीक्षण करते हुए 107 'ब्लैक स्पॉट्स' और 178 दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान की गई। इनमें से 32 'ब्लैक स्पॉट्स' और 50 संवेदनशील स्थलों को तत्काल सुधारकर सुरक्षित बनाया गया, ताकि किसी परिवार को अपने प्रियजन को सड़क हादसों मे ना खोना पड़े।

साथ ही, सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए 222 अवैध कटों को चिन्हित किया गया, जिनमें से 77 को बंद किया जा चुका है। ये अवैध कट कई गंभीर हादसों के प्रमुख कारण बने थे। जनता की सुविधा के लिए 231 नए ट्रैफिक साइन बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें कैथल (100) और रोहतक (50) जिलों ने अग्रणी भूमिका निभाई। 'हिट एंड रन' जैसे गंभीर मामलों में पुलिस ने उल्लेखनीय कार्य किया और मात्र 10 दिनों में 89 मामलों को सुलझाया। यमुनानगर, फतेहाबाद और फरीदाबाद पुलिस की भूमिका इसमें विशेष रूप से सराहनीय रही। पुलिस ने 'गोल्डन ऑवर' के महत्व को समझते हुए 367 घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाकर कई लोगों का जीवन बचाया गया, जिससे पुलिस का संवेदनशील और मानवीय चेहरा उजागर हुआ।

सड़क अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा पुलिस की सख्त और संवेदनशील कार्रवाई

सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए पुलिस ने राजमार्गों पर गलत तरीके से खड़े 5,400 से अधिक वाहनों को हटवाकर सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करवाया। ट्रक ड्राइवरों के साथ संवाद स्थापित कर 2,605 वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 13,293 ओवर-स्पीडिंग और 2,456 ड्रंक-ड्राइविंग चालान जारी किए गए। यह कार्रवाई केवल जुर्माने के लिए नहीं, बल्कि चालकों को यह समझाने के लिए थी कि उनके साथ साथ दूसरों का जीवन कितना अनमोल है।

हरियाणा पुलिस का उद्देश्य सड़क पर अनुशासन और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना रहा। इसी सोच के तहत राज्यभर में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत 273 कार्यक्रमों के माध्यम से 45,000 से अधिक नागरिकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। पलवल और यमुनानगर जिलों ने इन अभियानों में विशेष उत्साह के साथ भाग लिया। इन प्रयासों के माध्यम से पुलिस ने यह संदेश दिया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि सामूहिक जागरूकता और संवेदनशीलता से ही संभव है। हरियाणा पुलिस का यह अभियान एक सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त प्रदेश की दिशा में ठोस कदम सिद्ध हो रहा है।

सभी जिलों को दिए गए स्पष्ट निर्देश

एडीजीपी (ट्रैफिक एंड हाईवे) श्री हरदीप सिंह दून ने बताया कि सभी जिलों और कमिश्नरेट स्तर पर सड़क सुरक्षा के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। एसएचओ और चौकी प्रभारी स्तर पर भी निगरानी बढ़ाई गई है ताकि सड़क हादसों को कम किया जा सके।

जनजागरण से सड़क सुरक्षा को नई दिशा

उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस सड़क सुरक्षा के प्रति जनता को जागरूक करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ब्लैक स्पॉट्स का नियमित निरीक्षण करें, अवैध कटों को हटाएं और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डॉक्टरों से हड़ताल खत्म कर कार्यस्थल पर लौटने की करी अपील

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने डॉक्टरों से आग्रह किया है कि वे अपनी हड़ताल वापस लेकर तुरंत अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौट आएँ ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री आज यहां किसानों को मुआवजा राशि जारी करने उपरान्त पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की मुख्यतः चार मांगें थीं, जिनमें से तीन मांगें सरकार द्वारा स्वीकार की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के स्पेशलाइज्ड कैडर के गठन की मांग पर वित्त विभाग 16 अगस्त 2024 को अधिसूचना जारी कर चुका है।इसी प्रकार, हॉस्पिटल ड्यूटी से बाहर जाने पर यात्रा भत्ता प्रदान करने संबंधी मांग पर भी 25 अक्टूबर 2024 को अधिसूचना जारी हो चुकी है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एसएमओ की सीधी भर्ती न करने की मांग पर फिलहाल सरकार ने रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अन्य राज्यों में इस सम्बन्ध में प्रचलित व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जा रहा है और रिपोर्ट आने तक प्रदेश में एसएमओ की सीधी भर्ती स्थगित रहेगी। उनकी चौथी मांग, एसीपी संरचना में बदलाव, फिलहाल

स्वीकार नहीं की गई है।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की राजनीति से दूर रहें। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में लगातार सुधार हुआ है और प्रदेश के लोगों का रुझान भी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की ओर बढ़ा है। इसके लिए उन्होंने डॉक्टरों को बधाई भी दी।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर सत्यापन के बाद रकबे में कमी आने संबंधी प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पोर्टल खोलने के समय कई जिलों में लगातार बारिश और जलभराव था। जैसे-जैसे पानी निकला, कई स्थानों पर धान की फसल को वास्तविक नुकसान नहीं हुआ, जबकि किसानों ने प्रारंभिक चिंता के आधार पर पोर्टल पर खराबा दर्ज कराया था।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल में अनियमितताओं के चलते पटवारी निलंबन के सम्बन्ध में पूछे गए एक अन्य प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा से किसानों की फसलों को नुकसान होने पर मुआवजा देना सरकार की जिम्मेदारी है और यह कार्य सरकार लगातार कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर पटवारियों द्वारा अनियमितताएं सामने आई हैं। यह तरीका कांग्रेस शासनकाल की सोच थी, परंतु अब ऐसी गड़बड़ियों की कोई जगह नहीं है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने समय रहते ड्रेनों की नियमित सफाई करवाई जिसके कारण किसानों की फसलों को बारिश में अपेक्षाकृत कम नुकसान हुआ।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, नगर एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव प्रभजोत सिंह, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यशपाल, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री पार्थ गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय, कृषि विभाग के निदेशक राज नारायण कौशिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में शहरी विकास कार्यों को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएसवीपी और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को ईडीसी फंड से 1700 करोड़ रुपये की राशि की जारी

शहरी क्षेत्रों में सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्यों में आएगी तेजी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा शहरी विकास को सुदृढ़ करने और राज्य की प्रमुख शहरी संपदाओं में बुनियादी ढांचा सुधार को गति देने के उद्देश्य से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को सिविल सचिवालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार शहरी विकास को उच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य के नागरिकों को विश्वस्तरीय शहरी अवसंरचना प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट अभिभाषण में बाहरी विकास कार्यों के लिए ईडीसी फंड से 3,000 करोड़ रुपये हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण तथा गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पंचकूला और हिसार के विकास प्राधिकरणों को आवंटित किए जाने की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणा को मूर्तरूप देते हुए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने एडीसी फंड के प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में ईडीसी फंड से विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1500 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा, आज विभिन्न शहरी एस्टेट्स में विकास कार्यों के लिए कुल 1700 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इनमें हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण को 700 करोड़ रुपये, गुरुग्राम महानगरीय विकास प्राधिकरण को 700 करोड़ रुपये, फरीदाबाद महानगरीय विकास प्राधिकरण को 170 करोड़ रुपये, पंचकूला महानगरीय विकास प्राधिकरण को 30 करोड़ रुपये, सोनीपत महानगरीय विकास प्राधिकरण को 80 करोड़ रुपये और हिसार महानगरीय विकास प्राधिकरण को 20 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि विभाग ने विभिन्न शहरी एस्टेट्स में विकास कार्यों के लिए राज्य के महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 2188 करोड़ रुपये जारी किए।

इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री ए.के. सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विजेंद्र कुमार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री प्रभजोत सिंह, कृषि विभाग के निदेशक श्री राजनारायण कौशिक, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक श्री अमित खत्री, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यश पाल, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री पार्थ गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) श्रीमती वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय उपस्थित रहे।